सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" मदद करने वाला इंसान कभी गरीब नहीं होता है क्योंकि उसके पास लोगों की दुआओं का खजाना होता है ...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–236 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 14 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में साझा घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की है

नई दृष्टिबिंदु / दिल्ली

भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में साझा घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। भारत मंडपम में मौजूद चीन, मिस्र और इंडोनेशिया के पत्रकारों ने पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक शासन पर बनी इस आम सहमति की सराहना की।

चीन के एक वैश्विक टेलीविजन नेटवर्क से लेकर इंडोनेशिया के एक समाचार पोर्टल तक, भारत में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को कवर कर रहे कई विदेशी पत्रकारों ने नयी दिल्ली घोषणापत्र पर बनी आम सहमति का स्वागत किया। कुछ ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया, जबकि अन्य ने इसे अच्छा कदम करार दिया। भारत 12-13 सितंबर को मध्य दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।

इसमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की है। चीन, रूस, दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और मिस्र समेत कई देशों के बड़ी संख्या में पत्रकार भारत मंडपम परिसर में आयोजित इस शिखर सम्मेलन को कवर करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे हैं। अखबारों और टीवी चैनलों के लिए अपनी खबरें भेजने की व्यस्तता के बीच, इन पत्रकारों में से कुछ ने पीटीआई-भाषा से भारत की अध्यक्षता में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को कवर

करने के अपने अनुभव और नयी दिल्ली घोषणापत्र पर अपने विचार साझा किए।

भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में ब्रिक्स समूह ने शनिवार को आम सहमति से एक साझा घोषणापत्र को अपनाया। यह सहमति पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर यूएई और ईरान के बीच गहरे मतभेदों को दूर करने के बाद बनी। घोषणापत्र में ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिका का प्रत्यक्ष उल्लेख नहीं किया गया। पत्रकार हुआंग यूए बीजिंग मुख्यालय वाले चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क (सीजीटीएन) की 12 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने शिखर सम्मेलन पर करीबी नजर रखी है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग शामिल हुए। शी ने इससे पहले 2019 में भारत की यात्रा की थी।उन्होंने शिखर सम्मेलन स्थल पर बनाए गए अंतरराष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पीटीआई-भाषा से कहा, नयी दिल्ली घोषणापत्र काफी लंबा है। मेरे नजरिए से इसके तीन प्रमुख पहलू हैं। पहला है वैश्विक शासन। ब्रिक्स के साझेदार देश ह्यग्लोबल साउथह्ल की प्रमुख आवाज हैं। इसलिए ह्यग्लोबल साउथह्ल के देशों के लिए मिलकर काम करना और विकासशील देशों के विकास में योगदान देना महत्वपूर्ण है, खासकर मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में। चीनी पत्रकार ने कहा कि दूसरा प्रमुख पहलू शांति को बढ़ावा देना है।

तिरुपति नहीं जा पाए तो क्या, भिलाई में ही होंगे बालाजी के दर्शन

30 हजार वगर्फीट में बन रहा यह पंडाल 220 फीट चौड़ा और 98 फीट ऊंचा है

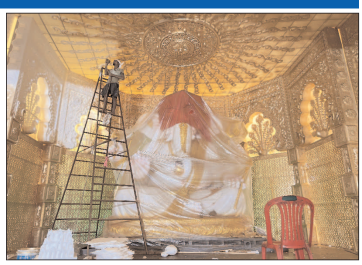

आलोक तिवारी/ भिलाईनगर

इस गणेशोत्सव में अगर आप तिरुपति बालाजी के दर्शन की इच्छा रखते हैं और अब तक वहां नहीं जा पाए हैं, तो भिलाई का एक पंडाल आपको तिरुपति धाम की दिव्य यात्रा का एहसास कराने जा रहा है।

श्रीराम चौक, खुर्सीपार में नव जागृति श्री गणेश उत्सव समिति अपने 12वें वर्ष में इस बार तिरुपति बालाजी मंदिर की भव्य थीम पर पंडाल सजा रही है। लगभग 30 हजार वगर्फीट में बन रहा यह पंडाल 220 फीट चौड़ा और 98 फीट ऊंचा है।इसे आकार देने में 100 से अधिक कारीगर पिछले दो महीने से दिन-रात जुटे हैं।

गोपुरम से शुरू होगी तिरुपति की यात्रा

पंडाल का प्रवेश द्वार 100 फीट ऊंचे दक्षिण भारतीय गोपुरम के रूप में बनाया गया है। भीतर स्वर्णिम दरबार, बैकुंठम कॉम्प्लेक्स और सुपदम से होते हुए श्रद्धालु तिरुपति रेलवे स्टेशन की झांकी से अपनी यात्रा शुरू करेंगे।

झांकी में बालाजी भगवान के बचपन की कथा, गोविंदराज स्वामी मंदिर, पद्मावती मंदिर, बनारस घाट शैली का गंगा स्नान, श्रीनिवासम कल्याणम, कुबेर से ऋण लेने की कथा और हुंडी में चढ़ावे की गिनती तक का जीवंत दृश्य दिखाया जाएगा। साथ ही ब्रह्मोत्सव, वराहस्वामी मंदिर और कनक दुर्गा मंदिर के स्वरूप भी शामिल हैं।

98 फीट ऊंचे मंदिर में विराजेंगे 18 फीट के विघ्नहर्ता

पंडाल का मुख्य आकर्षण हैदराबाद से लाई गई 15 फीट ऊंची फाइबर की बालाजी प्रतिमा होगी, जिसे हूबहू तिरुपति स्वरूप देने की कोशिश की गई है। इसके बाद 18 फीट की मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा शांत और धैर्य की मुद्रा में भक्तों को दर्शन देगी। इस प्रतिमा को ग्राम औंधी के मूतिर्कार गिरिधर तिलक चक्रधारी ने बनाया है।

केरल के चलित हाथी और दक्षिण भारतीय प्रसाद

समिति के अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव भोलू भैया ने बताया कि पंडाल के द्वार पर केरल के त्रिशूर से मंगाए गए दो विशाल चलित हाथी विशेष आकर्षण रहेंगे। कोषाध्यक्ष के. प्रवीण कुमार ने बताया कि बालाजी थीम पर आयोजन करना उनका 15 साल पुराना सपना था, जो इस बार साकार हो रहा है।

पंडाल निर्माण सेक्टर-6 के राजेश टेंट हाउस और कोलकाता की इंद्रजीत टीम कर रही है। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं के लिए दक्षिण भारतीय अन्नप्रसाद की भी व्यवस्था रहेगी।

तारा कोल ब्लॉक नीलामी पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला कहा-क्या सरकार उत्खनन नहीं होने देने की गारंटी देगी?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा का यह कहना कि अभी सिर्फ नीलामी हुई है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हसदेव अरण्य के तारा कोल ब्लॉक नीलामी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा का यह कहना कि अभी सिर्फ नीलामी हुई है, पर्यावरण स्वीकृति बाकी है, जनता को बेवकूफ बनाने वाला तर्क है। शुक्ला ने पूछा कि क्या भाजपा सरकार आश्वासन देगी कि तारा में कोल उत्खनन नहीं होने देगी और पर्यावरण स्वीकृति नहीं देगी? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने ही 11 दिसंबर 2025 को केंद्र को पत्र लिखकर नीलामी की सिफारिश की थी, जबकि भूपेश सरकार ने 23 जून 2023 को 9 कोल ब्लॉकों को

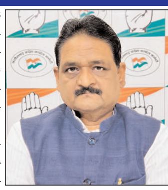

नीलामी से अलग रखने के लिए लिखा था। उन्होंने कहा कि तारा ब्लॉक करीब 5000 एकड़ में है, जिसमें 4000 एकड़ से अधिक घना जंगल है और 10 लाख से अधिक पेड़ कटेंगे। इससे लेमरू एलीफेंट रिजर्व और हाथियों के आवागमन पर गंभीर असर पड़ेगा। शुक्ला ने याद दिलाया कि 26 जुलाई 2022 को विधानसभा में सर्वसम्मति से हसदेव में नया कोल ब्लॉक आवंटन न करने का प्रस्ताव पारित हुआ था और भूपेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में भी हलफनामा दिया था। अक्टूबर 2023 में केंद्र ने तारा सहित 40 ब्लॉक डीनोटिफाई किए थे, लेकिन सरकार बदलने के बाद फिर नीलामी कर दी गई।

भारत का धमाकेदार आगाज अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज का शानदार आगाज करते हुए पहले मुकाबले में 7 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया ने केवल 13.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 157 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही अफगानिस्तान पर दबाव बनाया। हालांकि अजमतुल्लाह उमरजई ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 44 गेंदों पर नाबाद 64 रन की पारी खेली, जिसमें चार चौके और चार छक्के शामिल रहे। भारत की ओर से अशर्दीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

कई जिलों में बदले न्यायिक अधिकारी नई पदस्थापना का आदेश जारी

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

चीफ जस्टिस के आर महापात्र ने पदभार ग्रहण करने के बाद कुछ न्यायिक अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। साथ ही प्रदेश के सभी जिला न्यायालयों के लिए पोटफौलियो जज भी नामित किए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की डायरेक्टर सुषमा सावंत के जस्टिस नियुक्त होने के बाद रिक्त हुए पद में उच्च न्यायिक सेवा संवर्ग के न्यायिक अधिकारी एवं वतर्मान में सूरजपुर परिवार न्यायालय की न्यायाधीश डॉ.प्रज्ञा पचौरी को छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी में डायरेक्टर के पद पर पदस्थ किया गया है। नएस्थान तलाशें

इसी प्रकार कोरबा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष शर्मा के हाईकोर्ट में जस्टिस नियुक्त होने के बाद कोरबा में ही परिवार न्यायाधीश नीता यादव को कोरबा का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पदस्थ किया गया है। कुनकुरी में पदस्थ द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलराम कुमार देवांगन का पत्थलगांव जशपुर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर और कोरबा श्रम न्यायालय के न्यायाधीश अविनाश तिवारी का कोरबा में ही द्वितीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर तबादला किया गया है।

चीफ जस्टिस ने पोर्ट फोलियो जज भी नियुक्त किए हैं। जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू को रायपुर, जांजगीर-चाम्पा एवं सरगुजा अंबिकापुर, जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास को राजनांदगांव, बेमेतरा एवं कोरबा, जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी को दुर्ग एवं बालोद, जस्टिस सचिन सिंह राजपूत को रायगढ़ एवं महासमुंद, जस्टिस राकेश मोहन पांडेय को बस्तर जगदलपुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, जस्टिस संजय कुमार जायसवाल को मुंगेली एवं कोंडागांव, जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल को बिलासपुर एवं धमतरी, जस्टिस बिभु दत्त गुरू को सूरजपुर एवं कोरिया, जस्टिस एके प्रसाद को बलौदाबाजार एवं जशपुर, जस्टिस संतोष शर्मा को कबीरधाम कवर्धा, जस्टिस सुषमा सावंत को उत्तर बस्तर कांकेर तथा जस्टिस सुधीर कुमार को बलरामपुर-रामनुजगंज का पोटफौलियो जज नामित किया गया है। ये उक्त जिलों के न्यायालयों के कामकाज की मॉनिटरिंग करेंगे।

छोटी और बड़ी मूर्तियों का बड़ा कारोबार छत्तीसगढ़ में 700 करोड़ का अनुमान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गणेश चतुर्थी मंगलवार को है। प्रदेश में इस दिन करीब 50 लाख छोटी गणपति प्रतिमाएं घरों में और 20 हजार से ज्यादा बड़ी प्रतिमाएं सार्वजनिक पंडालों में विराजमान होंगी।

बाजार में छोटी मूर्तियों के दाम 500 से 7000 रुपये और बड़ी मूर्तियों के दाम 50 हजार से 5 लाख रुपये तक हैं। शहरों में समितियां आमतौर पर 1 लाख से अधिक कीमत वाली मूर्तियां स्थापित करती हैं। मूर्तिकारों के अनुसार छोटे गणपति का 500 करोड़ और बड़ी मूर्तियों का 200 करोड़, कुल 700 करोड़ का कारोबार अनुमानित है।

महंगाई के कारण इस बार दाम 40-50% तक बढ़ गए हैं। पिछले साल 200-300 रुपये में मिलने वाली छोटी मूर्ति इस बार 400 रुपये से कम में नहीं मिल रही। राजधानी रायपुर में ही करीब 1 लाख छोटी प्रतिमाएं

बिकती हैं। यहां छोटी मूर्ति की कीमत 1000 से 8000 रुपये तक है।

20 हजार से ज्यादा बड़े गणपति

प्रदेश के लगभग हर गांव में एक सार्वजनिक गणेश स्थापना होती है। रायपुर में 500 से ज्यादा, बिलासपुर, राजनांदगांव, कोरबा, रायगढ़ में 200-300 समितियां बड़े गणपति स्थापित करती हैं। औसत कीमत 1 लाख मानें तो 20 हजार मूर्तियों का कारोबार 200 करोड़ बैठता है।

50 साल बाद तीज और गणेश स्थापना एक साथ

इस बार तृतीया तिथि 13 सितंबर सुबह 7:08 से 14 सितंबर सुबह 7:06 तक है। द्वितीया युक्त होने से 13 की तीज मान्य नहीं, इसलिए 14 सितंबर को ही तीज व्रत और गणेश स्थापना दोनों होंगे। ऐसा संयोग 1976 के बाद 50 साल में पहली बार बना है।

स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 10:50 से दोपहर 1:18 तक है। चतुर्थी तिथि वृद्धि के कारण इस बार गणेशोत्सव 10 की जगह 12 दिन का होगा। 14 सितंबर से शुरू होकर 25 सितंबर अनंत चतुर्दशी को विसर्जन होगा। यह संयोग 9 साल बाद बना है।

इस बार मालव्य, भद्र, हंस, रवि योग और बुध-अरुण के संयोग से नवपंचम राजयोग भी बन रहा है।

द फ्लैश एकेडमी का भव्य NEET सम्मान समारोह

55 में से 25 का चयन, निम्न वर्ग के छात्रों ने रचा इतिहास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

द फ्लैश एकेडमी भिलाई ने ठएएळ परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान में हिंदू मिलन मंदिर भिलाई में एक गरिमामय और भावनात्मक सम्मान समारोह का आयोजन किया। सफलता का प्रतिशत देखकर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

जानकारी के अनुसार इस साल 55 विद्यार्थियों के बैच में से 25 विद्यार्थियों ने ठएएळ में सफलता हासिल की है। सबसे बड़ी बात यह है कि चयनित होने वाले अधिकांश छात्र निम्न और निम्न-मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अपने बच्चों को डॉक्टर की वर्दी के करीब देख कई अभिभावक मंच पर ही भावुक हो गए और एकेडमी के डायरेक्टर तुहीन मंडल व पूरी शिक्षक टीम का आभार जताया।

समारोह में बतौर अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक निशांत पाठक, जिला आबकारी अधिकारी दुर्ग अंकुश बनर्जी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाटन प्रांशु तिवारी, सहायक संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट ऑडिट चंद्रकांत सोम, सुप्रिटेंडेंट सेंट्रल ॠळ आशीष बिस्वास, भिलाई टाइम्स के संस्थापक एवं संपादक यशवंत साहू और हिंदू मिलन सेवा समिति भिलाई के जनरल सेक्रेटरी सुभाष साहा मौजूद रहे।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। तुहीन मंडल ने सभी सफल विद्यार्थियों को शॉल ओढ़ाकर और प्रतीक के तौर पर स्टेथस्कोप देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत विद्यार्थियों और अभिभावकों को डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग लिंक, फर्जी कॉल और ऑनलाइन ठगी से बचाव के बारे में भी जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने डळढ, ढक्ढ, उश्श किसी से शेयर न करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की अपील की। शिक्षा, अनुशासन और सेवा के संगम के रूप में यह समारोह प्रेरणादायक माहौल में संपन्न हुआ।

भगवान महावीर जन्म वाचन समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ मना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में भगवान महावीर स्वामी का जन्म वाचन समारोह श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज और साध्वी श्री लक्ष्मी जी के सानिध्य में आयोजित हुआ।

समारोह में पाठशाला के बच्चों ने भगवान महावीर के जन्म प्रसंग और जीवन संदेश पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज ने जन्म वाचन करते हुए भजन प्रस्तुत किया और कहा कि भगवान महावीर का जीवन त्याग, तपस्या और अहिंसा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के साथ अनुशासन और संयम जरूरी है। महावीर का संदेश संपूर्ण मानवता के लिए है। इस अवसर पर पुनीत मुनि जी महाराज ने भी भजन प्रस्तुत किए। बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

खास खबर

दिनदहाड़े बाइक चोरी 6 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

कुम्हारी थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कारर्वाई करते हुए छह घंटे से भी कम समय में चोरी की बाइक बरामद कर ली। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा गया है। पूछताछ और निशानदेही के आधार पर पुलिस ने कुम्हारी के साथ भिलाई-03 क्षेत्र से पहले चोरी हुई एक अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक 7 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 3 बजे स्टेशन चौक कुम्हारी स्थित एक क्लॉथ स्टोर के सामने खड़ी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक CG 04 ल्फ5540 को तीन अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गए थे।

घटना की रिपोर्ट मिलने के बाद थाना कुम्हारी में अपराध क्रमांक 271/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 238 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। अ'२ङ्ग र्फी - गणेशोत्सव से पहले पश्चिम क्षेत्र में पुलिस का बड़ा अभियान, 132 लोगों पर कारर्वाई ज़्यादा जानें दक्षिण-एशियाई और प्रवासी वीडियो समाचार संग्रह ॐ३' ठी६२स्त्रंस्त्री१ अ्री२२ उउळश फुटेज से मिले संदिग्धों के सुराग दिनदहाड़े हुई वाहन चोरी की घटना को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। फुटेज को बारीकी से देखने के साथ तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया। इसी आधार पर पुलिस को तीन संदिग्धों के संबंध में जानकारी मिली। पुलिस टीम ने संदिग्धों की तलाश शुरू की और घटना के छह घंटे से भी कम समय में उनकी पहचान कर उन्हें अभिरक्षा में ले लिया। पूछताछ के दौरान मामले में भगवती यादव और दो विधि से संघर्षरत बालकों की कथित संलिप्तता सामने आई।

सेवा संकल्प यात्रा को सफल बनाने भाजयुमो ने कसी कमर

15 सितंबर को वडनगर से वाराणसी तक निकलेगी यात्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजयुमो द्वारा निकाली जा रही सेवा संकल्प यात्रा को लेकर भिलाई में बैठक हुई।बैठक की अध्यक्षता भाजयुमो जिलाध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने की और संचालन विनय सेन ने किया। बैठक में यात्रा को भव्य बनाने और प्रदेशभर के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई।

बैठक में भाजपा राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभु, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल टिकरिया, वैशाली नगर विधायक व कार्यक्रम संयोजक रिकेश सेन, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जिला महामंत्री सुषमा जेठानी, भिलाई जिला प्रभारी दीक्षा अग्रवाल, मीडिया प्रभारी सूरज जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जानकारी दी गई कि 15 सितंबर को वडनगर, मोदी के जन्मस्थल से वाराणसी, उनके कर्मस्थल तक सेवा संकल्प यात्रा निकलेगी। वडनगर से लगभग 500 लोगों का समूह अलग-अलग मार्गों से वाराणसी पहुंचेगा। यात्रा का उद्देश्य युवाओं को मोदी के 25 वर्षों की सेवा यात्रा से जोड़ना है।

राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभु ने कहा कि मोदी ने सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और युवा शक्ति को सेवा का संदेश अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि यह यात्रा युवाओं में राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और सेवा भावना का संचार करेगी।

जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन और प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया ने कहा कि भाजयुमो हर अभियान को सफल बनाने में अग्रणी है। टिकरिया ने कहा कि पहले केंद्र से भेजे एक रुपये में से 25 पैसे जनता तक पहुंचते थे, आज मोदी सरकार में योजनाओं का पैसा सीधे हितग्राहियों के खाते में पहुंच रहा है, महतारी वंदन योजना इसका उदाहरण है।

विधायक रिकेश सेन ने युवाओं से यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। बैठक में जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, दुर्ग महामंत्री विनोद अरोरा, राजनांदगांव महामंत्री सौरभ कोठारी, दुर्ग जिलाध्यक्ष हिमांशु सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

उतई में विधायक चंद्राकर ने किया दही हांडी और पोला महोत्सव का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दशहरा मैदान उतई में दही हांडी एवं पोला महोत्सव का आयोजन हुआ। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और दही हांडी उत्सव का आनंद लिया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह आयोजन एकता, उत्साह और समृद्ध लोकपरंपराओं का संगम है। हमारी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है, ऐसे पर्व समाज में भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि तीजा-पोरा तिहार हमारी माटी और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। तीज में मातृशक्ति के विश्वास और सुहाग की कामना का भाव है, तो पोला पर्व अन्नदाता किसानों के सच्चे साथी नंदी-बैलों के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। इस तरह के आयोजन लोक संस्कृति को जीवंत रखते हैं। विधायक ने सभी क्षेत्रवासियों को गणेश चतुर्थी, तीजा और पोला पर्व की बधाई दी।

कार्यक्रम में जिला मंत्री युवा मोर्चा हर्ष चंदेल, उतई मंडल महामंत्री चंदू देवांगन, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विक्की सोनी, सरपंच करण सेन, महामंत्री राकेश देवांगन, विधायक प्रतिनिधि रुपेश पारख सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

अवैध मदिरा के विरूद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

दुर्ग। आरोपी अशोक कुमार घोरानी थाना रानीतराई पाटन के कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं आरोपी मुकेश कुमार जोशी ग्राम ओटेबंध तहसील धमधा के कब्जे से 40 नग पाव देशी मदिरा मसाला शोले एवं 12 सितम्बर को आरोपी कान्हा चंद्राकर ग्राम पचपेड़ी, जिला दुर्ग के कब्जे से 48 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा तथा आरोपी संजय सिंह ठाकुर ग्राम सिरसाकला जिला दुर्ग के कब्जे से 50 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा कुल 33.84 लीटर शराब जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34(2) एवं 36 का उल्लंघन किये जाने पर 04 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया।

उतई के सेलूद भाटापारा नहर में बहे 17 वर्षीय बालक का शव बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

थाना उतई क्षेत्र के सेलूद भाटापारा नहर में बहे 17 वर्षीय बालक का शव दूसरे दिन बरामद किया गया। मृतक की पहचान शिवम यादव (17 वर्ष) निवासी गुढ़ियारी रायपुर के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार 12 सितंबर को कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने आया शिवम नहर के तेज बहाव में बह गया था। सूचना पर जिला सेनानी और अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर रउ्रन्न्ड्डुर्ग की टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और दिनभर सर्च ऑपरेशन चलाया। दूसरे दिन 13 सितंबर को सुबह 5:30 बजे फिर से सघन तलाशी शुरू की गई, जिसमें टीम को सफलता मिली और शव को बाहर निकाला गया। पंचनामा के बाद शव को थाना उतई पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

तीज पर्व पर HMGM मोदी ग्रुप ने महिलाओं को बांटा करेला

भाजपा पूर्व जिला महामंत्री लोकेश पांडेय के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत ल्टत्र्र्र्ड मोदी ग्रुप ने तीज पर्व के अवसर पर माताओं-बहनों को तीज उपवास हेतु करेला वितरित किया।

भाजपा पूर्व जिला महामंत्री लोकेश पांडेय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष महेश वर्मा और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिव्या विद्यारतन भसीन मुख्य रूप से मौजूद रहे। अतिथियों ने कहा कि लोक परंपराओं और संस्कृति से जुड़े ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।

कार्यक्रम में महिलाओं ने आयोजकों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान राजेश प्रसाद, विनय टंडन, प्रवीण सिंह, अक्षय सिंह, लक्की पांडेय, अंकित मिश्रा, अशोक द्विवेदी, सुमीत शर्मा, दिनेश, दुर्गेश पाण्डेय, मुकेश जोशी, राहुल मांडवी, अनूप पाण्डेय, रवि जायसवाल, रौशन मराठा, दर्पण अग्रवाल, कुणाल अगासे और शिव मंदिर समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण वर्मा सहित समिति सदस्य मौजूद रहे।

मोदी की 25 वर्ष की राष्ट्रसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियान

17 सितंबर को पुलिस लाइन में जलेंगे सवा लाख दीये

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में सेवा और जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन होगा। इसी क्रम में दुर्ग में संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

17 सितंबर को शाम पुलिस लाइन में सवा लाख दीये जलाए जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आज स्कूल शिक्षा मंत्री और दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, सुरेन्द्र कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित जिला प्रशासन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 साल की यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रप्रथम की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। जनसेवा से राष्ट्रसेवा तक, विकास से विरासत तक हर कदम देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए रहा है। यादव ने कहा कि यह 25 वर्षों का पड़ाव नहीं बल्कि करोड़ों देशवासियों के विश्वास और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली यात्रा है। 'सेवा का सफर, संकल्प की नई उड़ान' के भाव के साथ शुरू हो रहा यह अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना को मजबूत करेगा। अभियान के तहत जिला प्रशासन और भाजपा संगठन के समन्वय से संभाग स्तर पर सेवा गतिविधियां, जनकल्याणकारी कार्यक्रम और सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन होंगे।

हत्या के प्रयास के आरोपियों को 10 साल की सजा कोर्ट मुहर्रिर सहित विवेचना टीम सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चौकी जेवरा सिरसा थाना पुलगांव के अपराध क्रमांक 247/2025 में प्रभावी विवेचना और न्यायालयीन समन्वय के चलते आरोपियों को सजा दिलाने में सफलता मिली है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए एसएसपी दुर्ग ने कोर्ट मुहर्रिर आरक्षक खेमू राम साहू सहित विवेचना टीम को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है।

मामले में तत्कालीन चौकी प्रभारी निरीक्षक प्रकाश कांत ने प्रारंभिक विवेचना व आरोपियों की गिरफ्तारी की, वहीं उप निरीक्षक खगेंद्र पठारे ने अग्रिम विवेचना कर न्यायालय में चालान पेश किया। माननीय न्यायालय ने 5 सितंबर 2026 को अभियुक्तों को धारा 109 सहपठित 3(5) इठर में 10 वर्ष सश्रम कारावास व अर्थदंड और धारा 296 इठर में 1 माह साधारण कारावास व अर्थदंड से दंडित किया।

विवेचना में हेड कांस्टेबल पुनेश साहू, कांस्टेबल वसीम खान, महिपाल यादव, नरोत्तम साहू, श्याम सिंह और रामेश्वर कोमा का सहयोग रहा। कोर्ट मुहर्रिर आरक्षक क्रमांक 307 खेमू राम साहू ने समंस/वारंट की तामीली, समयबद्ध जानकारी और न्यायालय-थाना समन्वय में विशेष तत्परता दिखाई, जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

शिक्षक रत्न सम्मान समारोह में 98 शिक्षक सम्मानित

रोटरी क्लब राजेंद्र नगर में शिक्षक रत्न सम्मान समारोह 2026 का किया आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रोटरी क्लब राजेंद्र नगर में शिक्षक रत्न सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू शामिल हुईं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 98 शिक्षकों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. रघुनाथ भारद्वाज, डॉ. विपुल चौधरी और डॉ. कविता कुम्भज की गरिमामयी उपस्थिति रही। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजक पीयूष जैन एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

युवती की निजी तस्वीरें परिजनों को भेजीं, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आरोपी पर युवती को व्हाट्सएप के जरिए आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाले संदेश भेजने का भी आरोप है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 25 सितंबर 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। अ’ रङ्ग्फीं - गणेशोत्सव से पहले पश्चिम क्षेत्र में पुलिस का बड़ा अभियान, 132 लोगों पर कार्रवाई ज़्यादा जानें इतिहास कैल्क्युलेटर और संदर्भ डिवाइस धर्म अध्यात्म सामग्री पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस मामले में पीड़िता ने थाना टिकरापारा पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उसने गुजरात निवासी परिमल भाई जयंती भाई कोंकणी पर गंभीर आरोप लगाए। पीड़िता का आरोप है कि युवक ने उसकी बिना वस्त्र वाली निजी तस्वीर उसके भाई और अन्य परिजनों को भेज दी और इस तरह तस्वीर को सार्वजनिक किया। व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजने का भी आरोप पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी ने केवल उसकी निजी तस्वीरें ही नहीं भेजीं, बल्कि व्हाट्सएप के माध्यम से आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाले संदेश भी भेजे।

शिकायत मिलने के बाद टिकरापारा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अपराध दर्ज किया और विवेचना शुरू की। पुलिस ने इस मामले में थाना टिकरापारा में अपराध क्रमांक 833/2026 दर्ज किया है। आरोपी के खिलाफ धारा 296 और 79 भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 67 आईटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने शिकायत से संबंधित तथ्यों और उपलब्ध जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान की। आरोपी की पहचान परिमल भाई जयंती भाई कोंकणी, उम्र 28 वर्ष, निवासी गुजरात के रूप में हुई। अ’ रङ्ग्फीं - शिक्षक सम्मान समारोह में उटसाय ने 81 सेवानिवृत्त और 15 उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित 13 सितंबर को आरोपी गिरफ्तार टिकरापारा पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी परिमल भाई जयंती भाई कोंकणी को 13 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई और आरोपी को सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को 25 सितंबर 2026 तक न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

खास खबर

भिलाई के सूर्या TI मॉल में स्पा सेंटर पर पुलिस की रेड

7-8 युवतियों पर बाउंड ओवर की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सूर्या TI मॉल के सेकंड फ्लोर पर स्थित स्पा सेंटर में अवैध गतिविधियों की शिकायत पर पुलिस ने औचक छापा मारा। ASP सिटी शोभराज अग्रवाल के निर्देश पर CSP निशांत पाठक, DSP (IUCAW) भारती मरकाम की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान सुपेला थाना प्रभारी SN सिंह और स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित अंडानी भी मौजूद रहे।

मॉल प्रबंधन के अनुसार स्पा सेंटर वाली जगह सोल्ड प्रॉपर्टी है और वहां की लाइट-पानी की सप्लाई बंद कर दी गई थी, इसके बावजूद अंदर युवतियां और अन्य लोग मौजूद मिले, जिन्हें पुलिस ने बाहर निकाला। पुलिस ने जांच के बाद कुल 7-8 युवतियों पर बाउंड ओवर (मुचलका पाबंद) की कार्रवाई की है। CSP निशांत पाठक ने कहा कि शहर में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे अवैध कार्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे ठिकानों पर लगातार सख्त चेकिंग जारी रहेगी। फिलहाल किसी अनैतिक कार्य की पुष्टि नहीं हुई है।

महासमुंद में होगा छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ का प्रांत स्तरीय महिला शिक्षक सम्मेलन

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ द्वारा 19-20 सितंबर को प्रांत स्तरीय महिला शिक्षक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस बार की थीम ₹सशक्त महिला, सशक्त शिक्षा, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र रखी गई है। संघ के महामंत्री मनोज राय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार दो दिवसीय आयोजन आई.आर. रिसॉर्ट, भालेसर मार्ग, महासमुंद में होगा। प्रदेश के 33 जिलों से 20-20 महिला शिक्षकों का चयन किया जाएगा, इस तरह लगभग 660 शिक्षिकाएं शामिल होंगी। पहले दिन 19 सितंबर को उद्घाटन सत्र, विशेषज्ञों का व्याख्यान, पैनल चर्चा और कार्यशाला होगी। दूसरे दिन 20 सितंबर को उत्कृष्ट शिक्षिकाओं का सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन होगा। संघ ने कहा है कि मातृशक्ति ही राष्ट्र की प्रथम गुरु है। महिला शिक्षक सशक्त होगी तो आने वाली पीढ़ी सशक्त होगी। सभी जिला अध्यक्षों से 15 सितंबर तक 20-20 महिला शिक्षकों की सूची प्रांतीय कार्यालय रायपुर भेजने को कहा गया है। पंजीकरण निःशुल्क रहेगा।

नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई को मिशन के रूप में करें-विजय शर्मा

विवेचना में गुणवत्ता एवं प्रभावशील बनाने कवर्धा में कार्यशाला का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं, पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात, भंडारण एवं सेवन को नियंत्रित और प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट लागू है। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की विवेचना में गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने तथा आरोपियों को प्रभावी ढंग से दोषसिद्ध कराने के उद्देश्य से आज कबीरधाम जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कवर्धा में राजनांदगांव रेंज स्तरीय कायर्शाला का आयोजन किया गया। कायर्शाला का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज श्री अजय यादव, पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार यादव सहित राजनांदगांव रेंज के पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कायर्शाला को संबोधित करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात और भंडारण से जुड़े पूरे नेटवर्क को पूरी ताकत से तोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस के मामलों में केवल गिरफ्तारी तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विवेचना को इस स्तर तक प्रभावी बनाया जाए कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को न्यायालय से दोषसिद्धि दिलाई जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि गवाहों की अनुपस्थिति जैसी परिस्थितियों में भी उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रकरण को मजबूत बनाया जाए।

कायर्शाला में पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव ने विवेचना अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में प्रभावी विवेचना, साक्ष्य संकलन एवं दोषसिद्धि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने ऐसे प्रकरणों में गवाहों की अनुपस्थिति अथवा अन्य चुनौतियों के बावजूद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मजबूत प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ में हाल ही में सामने आए एनडीपीएस के प्रकरणों का उदाहरण देते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं उनके लोकेशन तथा संपर्कों की तस्दीक कर यह पता लगाया जाए कि नशीला पदार्थ कहां से लाया गया और कहां तक पहुंचाया जाना था। उन्होंने कहा कि कार्रवाई को केवल सामने मौजूद आरोपी तक सीमित न रखते हुए पूरे तस्करी नेटवर्क की कड़ियों तक पहुंचना और तस्करी की चैन को समाप्त करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। कायर्शाला में एनडीपीएस एक्ट से संबंधित प्रकरणों की विवेचना में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों, साक्ष्य संकलन, तकनीकी साक्ष्य के उपयोग, दस्तावेजी प्रक्रिया तथा न्यायालय में दोषसिद्धि के लिए आवश्यक बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी कायर्शाला में प्राप्त मार्गदर्शन को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करते हुए नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जो तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आते हैं, उनके लोकेशन, संपर्क, आवागमन तथा नशीले पदार्थ कहां से आए और कहां तक पहुंचाए जाने थे, इसकी गहन जानकारी जुटाई जाए।

एनडीपीएस के विरुद्ध कार्रवाई देश, समाज और युवाओं की सेवा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह देश, समाज, नौजवानों और आने वाली पीढ़ी की सेवा है। नशे के अवैध कारोबार से युवाओं को बचाने के लिए पुलिस को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां नशीले पदार्थों से संबंधित अवशेष अथवा गतिविधियों की जानकारी मिलती है, वहां उसकी तस्दीक कराई जाए तथा आवश्यकतानुसार सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए। जरूरत पड़ने पर सीसीटीवी कैमरों सहित आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग किया जाए, ताकि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों तक पहुंच बनाई जा सके।

तालाब के पास चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आठ लोगों को पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / अम्बागढ़ चौकी

अवैध जुआ-सट्टा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत औंधी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अलकनहार रोड स्थित तालाब के पास चल रहे जुए के फड़ पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी और मौके से आठ लोगों को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान जुआ फड़ और आरोपियों के कब्जे से कुल 25 हजार 510 रुपये नकद और ताश की पत्तियां जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाय.पी. सिंह के दिशा-निर्देशन और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मानपुर विनोद कुमार मिंज के मार्गदर्शन में जिले में अवैध जुआ-सट्टा एवं आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 11 सितंबर 2026 को थाना औंधी प्रभारी उप निरीक्षक नवल साव को मुखबिर से सूचना मिली कि अलकनहार रोड औंधी स्थित तालाब के पास कुछ लोग 52 पत्ती ताश से रुपये-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। त्योहारी सीजन से पहले नॉर्थ जोन में बड़ा अभियान 79 लोगों पर कार्रवाई ज़्यादा जानें खेल समाचार कवरेज सिटी गाइड खोजें तालाब के पास पुलिस ने की घेराबंदी सूचना मिलने के बाद औंधी पुलिस की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस ने तालाब के आसपास घेराबंदी कर जुआ फड़ पर दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके पर जुआ खेल रहे आठ लोगों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों और जुआ फड़ से कुल 25,510 रुपये नकद तथा ताश की पत्तियां बरामद की गईं। जब्त सामग्री को नियमानुसार पुलिस ने अपने कब्जे में लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजेश मेश्राम, मुकेश बाला, तरुण कुमार शेंडे, दलसाय गोंड, बुर्रा श्रीनिवास, नानेश्वर खोब्रागड़े, अजीत शाह और भूपेन्द्र नरोटे के रूप में हुई है। दिनदहाड़े बाइक चोरी 6 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज पुलिस ने आठों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 17/2026 के तहत धारा 3(2) जुआ अधिनियम में मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की। इसके बाद आरोपियों को सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

छत्तीसगढ़ में UCC कानून पर मुस्लिम जनसंवाद बैठक संपन्न

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

जुनवानी रोड स्थित गैलेक्सी हॉल में छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित वउउ कानून को लेकर मुस्लिम जनसंवाद और संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जनाब सलाम रिजवी, वतर्मान अध्यक्ष डॉ. सलीम राज, वक्फ बोर्ड सदस्य फिरोज भाई, सीरत पाक कमेटी के अध्यक्ष सोहेल सेठी, अधिवक्ता शकील अहमद सिद्दीकी, अधिवक्ता अजहर अली, मुफ्ती साहब, सोहेल राइन सहित प्रदेश भर के मौलाना, मदरसा-मस्जिद कमेटियों के सदर और दानिशमंद हजरात शामिल हुए। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वउउ कानून बनने से मुस्लिम पर्सनल लॉ और शरीयत कानून में किसी तरह का हस्तक्षेप न हो। अल्पसंख्यकों के हित, धार्मिक स्वतंत्रता, गरिमा और मौलिक अधिकार यथावत बने रहें, इस पर चर्चा की गई। मुस्लिम उलेमाओं और अधिवक्ताओं ने अपने-अपने सुझाव रखे।

आगामी गणेश उत्सव और त्योहारी सीजन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने अभियान, 79 व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्वाई की गई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी गणेश उत्सव और त्योहारी सीजन को देखते हुए नॉर्थ जोन पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया। 7 सितंबर से 13 सितंबर 2026 तक चले अभियान में कुल 79 व्यक्तियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई। इनमें सात आरोपियों पर आर्म्स एक्ट, 71 लोगों पर प्रतिबंधात्मक धाराओं और एक आरोपी पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई शामिल है। नॉर्थ जोन के थाना गुढ़ियारी, उरला, खमतराई, पंडरी और खम्हारडीह क्षेत्रों में सप्ताहभर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों की जांच की गई। सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से चाकू और अन्य धारदार हथियार लेकर घूमने वालों के साथ अवैध शराब की बिक्री और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों में शामिल लोगों पर कार्रवाई की गई। ज़्यादा जानें दैनिक समाचार-पत्र पढ़ें अंतर्राष्ट्रीय समाचार पढ़ें राजनीति 7 आरोपियों पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई विशेष अभियान के दौरान अवैध रूप से चाकू और धारदार हथियार रखने के मामलों में कुल सात आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। इनमें गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में एक, उरला में तीन, पंडरी में एक और खम्हारडीह थाना क्षेत्र में दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। संबंधित आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार अपराध पंजीबद्ध कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि त्योहारी सीजन के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर घूमने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है। 71 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने संदिग्ध और असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ धारा 170 बीएनएसएस समेत अन्य प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत भी कार्रवाई की। अभियान में कुल 71 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इनमें गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के 21, उरला के 15, खमतराई के 15, पंडरी के 11 और खम्हारडीह क्षेत्र के नौ व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा अवैध रूप से शराब का संग्रहण और बिक्री करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। उरला पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। त्योहारी सीजन में जारी रहेगी।

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के 21, उरला के 15, खमतराई के 15, पंडरी के 11 और खम्हारडीह क्षेत्र के नौ व्यक्ति शामिल हैं

डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र का साहित्य सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता : शशांक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर

साहित्य मनीषी एवं मानस मर्मज्ञ डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र की 128वीं जयंती के अवसर पर कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच, भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में मानव आश्रम, सेक्टर-1 में साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने डॉ. मिश्र के साहित्य को सामाजिक उत्थान की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि उनका साहित्य समाज को दिशा देने, मानवीय मूल्यों को स्थापित करने और सामाजिक चेतना को जागृत करने की महत्वपूर्ण क्षमता रखता है।

कार्यक्रम में डॉ. एन.पी. दीक्षित, दुर्ग विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति, सरजू पारी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ मिश्रा, रायपुर कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रोफेसर आर.पी. दीक्षित तथा छत्तीसगढ़ वित्त निगम के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने भी डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र के साहित्य, उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आधार वक्तव्य राजनांदगांव के प्रोफेसर सी.एस. शर्मा ने प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच के अध्यक्ष उमाकांत दीक्षित ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अजय शुक्ला एवं अतुल अवस्थी ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंच के महासचिव रवीन्द्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय दुर्ग के प्राचार्य डॉ.ए. के. सिंह, प्रोफेसर त्रिपाठी, डॉ. अनुपम शुक्ला, संजय अवस्थी, कान्यकुब्ज सभा राजनांदगांव के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप मिश्र, कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच भिलाई-दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष आशीष मिश्रा, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष के.डी. राय, सरजू पारी ब्राह्मण समाज के महासचिव राम-लखन मिश्रा सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में श्री जयदेव शुक्ला, श्री रामकिंकर मिश्रा, श्री वी.बी. सिंह, श्री अतिवीर सिंह, मंच के सचिव श्री राकेश शुक्ला, उपाध्यक्ष श्री आलोक शुक्ला, संगठन सचिव श्री ब्रज किशोर द्विवेदी, श्री अंचल शुक्ला, श्री सतीश शुक्ला, श्री स्वदेश शुक्ला, श्री सी.के. तिवारी, श्रीमती गार्गी मिश्रा, श्रीमती राजश्री अवस्थी, श्री संदीप दीक्षित, श्री श्रवण शुक्ल, श्री विजय तिवारी, श्री शैलेन्द्र दुबे, श्री गुरु प्रसाद तिवारी, श्रीमती विजया मिश्रा, श्रीमती शकुंतला तिवारी श्रीमती सुशीला दीक्षित, श्री पी.के. तिवारी श्री राकेश शुक्ला सीनियर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

अच्छा काम करने वालों को पसंद करते हैं युवा

बड़ा नेता वह नहीं होता है जो बड़ी-बड़ी बातें करता है, हवाहवाई बातें करता है,नकारात्मक बातें करता है, सिर्फ आलोचना करता है,दूसरे की बुराई को ही सबसे बड़ा काम मानता है। ऐसे बड़े नेता से देश का युवा प्रभावित नहीं होता है,ऐसे नेता को देश का युवा अपना नेता नहीं मानता है।ऐसे नेता को युवा असफल नेता मानता है। ऐसे नेता उसके लिए प्रेरणादायी नहीं होते हैं।युवा तो ऐसे नेता से प्रभावित होता हैं जो मौका मिलने पर खुद बड़ा काम करता है, देश पहले सोच कर काम करता है। एक नही कई बड़े बड़े काम करके दिखाता हैं और उसके बाद युवाओं से कहता हैं कि बड़े सपने देखो और उसे पूरा करने के लिए जीजान से जुट जाओ। ऐसा नेता से युवाओं को प्रेरणा मिलती है कि यह जब बड़ा काम कर सकता है तो हम भी बड़ा सपना देखकर उसे पूरा कर सकते हैं।

देश में इस समय दो बड़े नेता पीएम मोदी व राहुल गांधी हैं। जेन जी आंदोलन के बाद युवाओं को दोनों प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने का काम कर रहे हैं। राहुल गांधी युवाओं के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, उनके पास जा रहे हैं, उनसे मिल रहे हैं। उनकी बातें सुन रहे हैं। देश के आसपास के देशों में युवाओं ने सत्ता बदली है तो इससे राहुल गांधी को लगता है कि देश के युवा भी नाराज हैं, वह भी इस देश में सत्ता पलट सकते हैं। पीएम मोदी व भाजपा को सत्ता से यही लोग हटा सकते है।राहुल गांधी ऐसे युवाओं से मिलकर सत्ता व व्यवस्था के खिलाफ उनके भीतर जो गुस्सा होता है, उसे बढ़ाते हैं। किसी युवा का आंदोलन के दौरान पैर टूट गया या तोड़ दिया गया तो राहुल गांधी कहते हैं कि पुलिस ने पैर नहीं तोड़ा युवा के सेना में जाने के सपने को तोड़ दिया। दलितों के भीतर गुस्से को उनके साथ हो रहे भेदभाव के नाम पर बढ़ाने का काम करते हैं। राहुल गांधी समस्या सुनते हैं लेकिन राहुल गांधी युवाओं व दलितों का कोई समाधान नहीं देते हैं, कोई आश्वासन नहीं देते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो ऐसा नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस की सरकार तो कई दशक तक शासन कर चुकी है और वह भी उन तमाम समस्याओं का कोई समाधान कहां कर पाई है जिसे आज राहुल गांधी बडी समस्या बता रहे हैं।

राहुल गांधी देश के युवाओं की ऊर्जा को देश के विकास में लगाने की जगह देश की सत्ता पलटने के लिए करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता व देश के युवा कई चुनाव हो चुके है कांग्रेस व राहुल गांधी पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं कि कांग्रेस व राहुल गांधी को देश की सत्ता सौंप देने पर उनकी सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। कई राज्यो में जनता व युवाओं ने कांग्रेस को सत्ता सौंपी तो है लेकिन उन राज्यों में समस्याओं का समाधान कहां हुआ है। जनता व युवा जिन युवाओं का सामना कर रहे हैं वह सारी समस्याएं तो कांग्रेस शासित राज्यों में भी है। कांग्रेस शासित राज्यों मे बेरोजगारी है, महंगाई है, युवा जो चाहते हैं वह हो नहीं हो रहा है। वहां भी उनपर लाठी चार्ज हो रहा है। राहुल गांधी जहां युवाओ की ऊर्जा का उपयोग अपना राजनीतिक हित साधने के लिए कर रहे हैं यानी जो काम कांग्रेस व राहुल गांधी पिछले 12 सालों में नहीं कर सके है,वह काम राहुल गांधी व कांग्रेस चाहते हैं कि युवा उनके लिए करे। वह चुनाव नहीं जीत नहीं पा रहे हैं तो युवा उनको चुनाव जीता दे। पीएम मोदी ने एसआरसीसी के शताब्दी समारोह में युवाओं को विकसित व आत्म निर्भर भारत के लक्ष्य से जोड़ा और उनसे अपेक्षा की देश के युवा यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। यह युवाओं का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि यह केवल बातें नहीं है,यह उनका देश के युवाओं पर भरोसा है कि वह विकसित भारत व आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा कर सकते है, इस लक्ष्य को वही हासिल कर सकते हैं। वही इस संकल्प की सिध्दी कर सकते हैं।

पीएम मोदी खुद देश के लिए बड़े सपने देखते हैं और वह चाहते हैं कि युवा भी देश के लिए बड़े सपने देखे और उसे पूरा करने के लिए जी जान लगा दें। पीएम मोदी ने युवाओ के सामने खुद को देश के लिए बड़े सपने देखने वाले नेता के रूप पेश किया। उन्होंने युवाओं को बताया कि वह देश के लिए कौन से बड़े सपने देखते हैं। पीएम मोदी ने बताया कि वह विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत,भारत को तीन नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने,भारत को अनुसंधान और नवाचार का हब बनाने,भारत को कृषि के क्षेत्र में सुपर पावर बनाने,अंतरिक्ष में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने,देश में ओलिंपिक कराने का सपना देख रहे हैं और देश के युवाओं और देश की जनता से एक दिन यह सपना पूरा भी होगा।पीएम मोदी ने वह काम किए हैं जो दूसरे नेता संभव नहीं मानते थे, यही वजह है कि देश की जनता व देश के युवा मोदी पर भरोसा करते हैं कि यह आदमी जो कहता है उसे पूरा भी एक दिन जरूर करता है।

जनभागीदारी से विकसित भारत की ओर छत्तीसगढ़ का कदम

डॉ. ओमप्रकाश डहरिया, सहायक जनसंपर्क अधिकारी

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में जनसेवा केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की वह सतत प्रक्रिया है, जिसमें सरकार और समाज मिलकर भविष्य की दिशा तय करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी सेवा, नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की एक महत्वपूर्ण यात्रा के रूप में सामने आते हैं। इसी यात्रा के प्रति जन-आभार व्यक्त करने और विकसित भारत-2047 के सामूहिक लक्ष्य को जनभागीदारी का स्वरूप देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान को केवल आयोजनों की श्रृंखला मानना इसके व्यापक उद्देश्य को सीमित करना होगा। यह अभियान सेवा, जनभागीदारी, जनप्रतिनिधित्व और विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को एक साझा मंच प्रदान करने की परिकल्पना है। इसके माध्यम से केंद्र और राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पात्र नागरिकों तक पहुंचाने के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय सहभागी बनाने का प्रयास किया जाएगा। अभियान की मूल भावना यही है कि सरकार की उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और विकास की यात्रा में समाज की सक्रिय भागीदारी दिखाई दे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा को केवल वर्षों के हिसाब से नहीं देखा जा सकता। यह यात्रा नेतृत्व, जनसेवा, परिवर्तन और भारत की क्षमता में अटूट विश्वास की कहानी है। सेवा संकल्प अभियान इसी यात्रा के प्रति आभार को भविष्य के संकल्प से जोड़ता है। अतीत की उपलब्धियों का स्मरण केवल गौरव का विषय नहीं, बल्कि आने वाले भारत की जिम्मेदारी को समझने का अवसर भी है। विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी वास्तविक जनआंदोलन का रूप ले सकता है, जब देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को इस परिवर्तन का सहभागी महसूस करे।

अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से होगा। हर घर में प्रज्वलित होने वाला दीप 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के संकल्प का प्रतीक बनेगा। यह पहल अपने आप में अभियान की मूल भावना को अभिव्यक्त करती है, क्योंकि राष्ट्र निर्माण हमेशा बड़े मंचों से ही नहीं होता; कभी-कभी एक छोटा-सा दीप भी सामूहिक चेतना का बड़ा प्रतीक बन जाता है। जब हजारों-लाखों घरों में एक साथ दीप प्रज्वलित होंगे, तो यह दृश्य केवल प्रकाश का नहीं, बल्कि साझा विश्वास और सामूहिक संकल्प का होगा।

अभियान की एक महत्वपूर्ण पहल ह्य25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारतह्व है। 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में विकसित भारत की संकल्पना और 25 वर्षों की सेवा यात्रा पर आधारित ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बच्चों की कल्पनाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से सामने लाया जाएगा और उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल नीतियों और योजनाओं से नहीं बनता, बल्कि उसकी नई पीढ़ी के सपनों और सोच से भी आकार लेता है। इसलिए बच्चों को विकसित भारत की कल्पना से जोड़ना भविष्य के भारत की नींव को मजबूत करने जैसा है।

नमो सेवा गाथा के माध्यम से 17 सितंबर से गांव-गांव तक नुक्कड़ नाट्य के जरिए 25 वर्षों की सेवा यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं और उनसे आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां पहुंचाई जाएंगी। 2 अक्टूबर को देश के 100 प्रमुख स्थलों पर विशेष मंचन प्रस्तावित है। लोकभाषा, लोककला और प्रत्यक्ष संवाद की अपनी एक अलग ताकत होती है। यही कारण है कि नुक्कड़ नाट्य जैसी गतिविधियां सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों को आंकड़ों की भाषा से निकालकर आमजन की सहज समझ और अनुभव से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं।

25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला आंगन का उत्सव अभियान को मातृशक्ति, बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से जोड़ेगा। आंगनवाड़ी केंद्रों में माताओं एवं बच्चों की सहभागिता के साथ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। पोषण, मातृ सहायता, टीकाकरण तथा महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी। योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं अपने जीवन में आए बदलाव की कहानियां भी साझा करेंगी। किसी योजना की सफलता का सबसे मानवीय प्रमाण वह बदलाव है, जो किसी परिवार के जीवन में दिखाई देता है। इसलिए हितग्राहियों की अपनी आवाज में सामने आने वाली ये कहानियां अभियान को संवेदनशील और जीवंत स्वरूप देंगी।

इसी भावना को कहानी बदलाव की पहल आगे बढ़ाएगी। शासकीय योजनाओं से सकारात्मक बदलाव का अनुभव करने वाले हितग्राहियों की वास्तविक कहानियां संकलित की जाएंगी। प्रत्येक कहानी में हितग्राही का नाम, स्थान, जिला, संबंधित योजना और जीवन में आए बदलाव की जानकारी दर्ज की जाएगी तथा इन कहानियों का डिजिटल डेटा बैंक तैयार किया जाएगा। यह पहल सरकारी योजनाओं की उपलब्धियों को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उन वास्तविक चेहरों और परिवारों के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने परिवर्तन किया है।

सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से गांव, जिला और राज्य स्तर पर व्यापक जनभागीदारी यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। 25 वर्षों की सेवा के प्रति आभार और विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प को मजबूत करने वाली यह यात्रा समाज के विभिन्न वर्गों को एक साझा उद्देश्य से जोड़ने का माध्यम बनेगी। वहीं सेवा मेरा योगदान पहल के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक नागरिकों और विभिन्न संस्थाओं को सेवा गतिविधियों में सहभागी बनने का अवसर मिलेगा। नदी-घाट स्वच्छता सहित विभिन्न सेवा कार्यों में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

यह पहल इस विचार को मजबूत करती है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का कार्य नहीं है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर किया गया छोटा-सा सकारात्मक प्रयास भी देश की प्रगति में योगदान दे सकता है। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा, जागरूकता और सामुदायिक सहयोग जैसे कार्य जब सामूहिक रूप लेते हैं, तो वे किसी योजना से कहीं बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकते हैं।

सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार के माध्यम से शासन को नागरिकों के और करीब ले जाने का प्रयास होगा। विधानसभा एवं विकासखंड स्तर पर आयोजित शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ पात्र नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें योजनाओं से जोड़ने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहेगा। लोकतंत्र की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जाती कि कितनी योजनाएं बनाई गई, बल्कि इससे भी तय होती है कि उन योजनाओं का लाभ कितनी सहजता और पारदर्शिता से पात्र व्यक्ति तक पहुंचा। इस दृष्टि से सरकार आपके द्वार शासन और नागरिक के बीच की दूरी कम करने वाली महत्वपूर्ण पहल बन सकती है।

अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए ह्यविकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, जल जन सेवा संकल्प, रंगोली राष्ट्र/भारत मंडल, राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज और जनसेवक महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट जैसी गतिविधियां भी प्रस्तावित हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत परिवर्तनकारी स्थलों का भ्रमण तथा 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन प्रस्तावित है। वहीं राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज जैसी पहलें युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा और नवाचार को विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ने का अवसर प्रदान करेंगी। जनसेवक महाकुंभ-पंचायत से पार्लियामेंट के माध्यम से लोकतंत्र की सबसे निचली इकाई से लेकर संसद तक जनसेवा और जनभागीदारी के व्यापक विमर्श को एक मंच देने की परिकल्पना है।

सेवा संकल्प अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता में निहित एकता है। कहीं दीप के माध्यम से आभार है, कहीं बच्चों के सपनों में भविष्य का भारत है, कहीं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बदलाव की कहानी है, कहीं आंगनवाड़ी केंद्रों में मातृशक्ति का संवाद है, तो कहीं सेवा गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों का प्रत्यक्ष योगदान। कहीं सरकार आपके द्वार पहुंच रही है, तो कहीं नवाचार और जनप्रतिनिधित्व के माध्यम से विकसित भारत की दिशा में नए विचार सामने आ रहे हैं। ये सभी गतिविधियां मिलकर सेवा को केवल सरकारी अवधारणा न बनाकर सामाजिक संस्कार और राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप देने का प्रयास करती हैं।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विकास की वास्तविक शक्ति तभी सामने आती है, जब शासन और समाज एक-दूसरे के पूरक बनकर आगे बढ़ते हैं। विकसित भारत-2047 कोई ऐसा लक्ष्य नहीं है जिसे केवल सरकारें प्राप्त कर सकती हैं। इसके लिए किसान, श्रमिक, युवा, महिला, उद्यमी, विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिककृहर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसलिए ह्यसेवा संकल्प अभियानह्व का वास्तविक अर्थ कार्यक्रमों की संख्या में नहीं, बल्कि उस भावना में है जो प्रत्येक नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र निर्माण में उसका योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाला यह अभियान 25 वर्षों की जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आने वाले भारत की तस्वीर गढ़ने का अवसर है। यह अतीत को नमन, वर्तमान में सेवा को मजबूत करने और भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प लेने की त्रिवेणी है। यदि इन पहलों में समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित होती है, तो ह्यसेवा संकल्प अभियानह्व महज एक महीने का आयोजन नहीं रहेगा, बल्कि सेवा की भावना को जनजीवन से जोड़ने वाला एक व्यापक सामाजिक अभियान बन सकता है।

आखिरकार राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के सामूहिक विश्वास, सहभागिता और संकल्प में होती है। 25 वर्षों की सेवा यात्रा से प्रेरणा लेकर विकसित भारत-2047 की ओर बढ़ने का यही संदेश ह्यसेवा संकल्प अभियानह्व को एक कार्यक्रम से आगे ले जाकर जनभागीदारी के राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप देता हैकृह्लसेवा से संकल्प, संकल्प से सहभागिता और सहभागिता से विकसित भारत।

कविता का कोना

मेरे प्रभु विघ्नहर्ता श्रीगणेश ...

मेरे प्रभु विघ्न हरो रखो मेरे लाज
कष्ट में हूं द्वार तुम्हारे पूरा करो
काज। न धन दौलत चाहिए न
कोई सौगात
मेरे प्रभु कष्ट हरो दयानिधि
विघ्नहर्ता रखो मेरे लाज।
न रहे कोई दुखी सबका हो सुंदर
काज
हर आंगन में खुशियां हो हर
आंचल में प्यार।
धर्म में न कोई बाटेन जात पात
की हो बात इंसानियत की हो कद्र
न हो बैर की बात ।
मंगल गीत गूंजे हर घर आंगन में
प्रभु ऐसा वर दो आज प्रभु रखो
मेरी लाज।
अर्जी करूं मैं आरती उतारूं मन
की भावना से
पूजा करूं हे एक दंत दया वन्त
वंदना स्वीकार करो इंसानियत
की हो सबके मन में भावना ऐसे
वर आज मुझे दो प्रभु रखो मेरी
लाज। मेरे काज में न मोह है न
कोई द्वेष
बस इक इच्छा है सबके आंगन में
हो खुशी
ऐसा नव संदेश दो हे प्रभु मेरी
वंदना स्वीकार करो
नव भारत की परिकल्पना
स्वीकार करो
कष्ट हरो दया करो ज्ञान दो
भगवन
सुबह शाम बस सबके होठों पर
मुस्कान हो भगवन

लक्ष्मीनारायण लहरे 'साहिल'
साहित्यकार ,पत्रकार सारंगढ़

'विष्णु भैया' का घर बना बहनों का मायका, मुख्यमंत्री निवास में उल्लास से मना तीजा-पोरा तिहार

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा - आज मेरा घर आप सभी बहनों का मायका, आपका अपने भाई के घर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात

नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास आज तीजा-पोरा तिहार के अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और मातृशक्ति के उल्लास का साक्षी बना। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में पहुंचीं माताओं, बहनों और बेटियों के स्वागत में मुख्यमंत्री निवास को छत्तीसगढ़ी गांव और मायके की तरह सजाया गया था। पारंपरिक बैलगाड़ी, नंदिया-बइला, लोक शिल्प और ग्रामीण परिवेश की सजावट के बीच फुगड़ी, रस्साकशी, कुर्सी दौड़, मेहंदी और झूलों ने पूरे परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के बीच माताओं-बहनों ने पूरे उत्साह के साथ तीजा-पोरा की खुशियां साझा कीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तीजा पर बेटियों और बहनों के मायके आने की सुंदर परंपरा है। आज प्रदेशभर से आप सभी बहनें मेरे घर आई हैं, इसलिए मुख्यमंत्री निवास आज आप सभी का मायका है। अपने भाई के घर आपका आना मेरे लिए सौभाग्य और आनंद की बात है। मुख्यमंत्री के इस आत्मीय संबोधन के साथ पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तीजा-पोरा हमारी माटी, परिवार, रिश्तों, खेती-किसानी, पशुधन और लोकजीवन से जुड़ा जीवंत उत्सव है। हरेली से शुरू होने वाली छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहारों की सुंदर श्रृंखला हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन को आत्मीयता के सूत्र में बांधती है। हमारी लोक परंपराएं पीढ़ियों को अपनी जड़ों और संस्कारों से जोड़ने का काम करती हैं।

शिव-पार्वती की पूजा कर मांगी प्रदेश की सुख-समृद्धि

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की माताओं-बहनों सहित सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीजा का पर्व माता पार्वती की तपस्या, समर्पण और अटूट आस्था से जुड़ा हुआ है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया था। हमारी माताएं और बहनें आज भी इस महान परंपरा को श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने भगवान शिव और माता पार्वती से प्रदेश की माताओं-बहनों के सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य के साथ छत्तीसगढ़ के निरंतर विकास और खुशहाली की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पोरा का पर्व हमारी कृषि संस्कृति और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में खेती-किसानी केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। तीजा और पोरा का यह संगम हमारी लोकसंस्कृति की उसी आत्मीयता और व्यापकता को अभिव्यक्त करता है।

सुपोषित छत्तीसगढ़ के लिए हर घर मुनगा-घर घर मुनगा अभियान

तीजा-पोरा के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशव्यापी ह्यहर घर मुनगा-घर घर मुनगाह्व अभियान का शुभारंभ किया और अभियान के लोगो का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुनगा पोषक तत्वों और आवश्यक मिनरल्स से भरपूर है। इसकी पत्तियां और फलियां पोषण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी हैं। विशेषकर महिलाओं और बच्चों के आहार में इसका उपयोग बेहतर पोषण में सहायक हो सकता है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि अपने घरों और आसपास मुनगा लगाएं और इसके पोषण गुणों को जन-जन तक पहुंचाएं। घर-घर मुनगा लगाने की यह पहल जनभागीदारी के माध्यम से सुपोषित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और मजबूत करेगी।

राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ, सुपोषण रथ करेगा जागरूक

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेश में राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के पोस्टर का विमोचन किया और उपस्थित माताओं-बहनों को सुपोषण की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में पोषण माह आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान महिलाओं, बच्चों और परिवारों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सुपोषण रथ भी अलग-अलग क्षेत्रों में पहुंचकर पोषण संबंधी

तीजा हमारी समृद्ध परंपराओं और मातृशक्ति का पर्व : लक्ष्मी राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेश की माताओं-बहनों को तीजा-पोरा तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीजा हमारी समृद्ध परंपराओं और मातृशक्ति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के कल्याण, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना की 31 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। यह योजना माताओं-बहनों को आर्थिक संबल देने के साथ उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत कर रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ह्यहर घर मुनगा-घर घर मुनगाह्व अभियान को पोषण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए माताओं-बहनों से अपने घरों और आसपास मूनगा लगाने तथा इसे नियमित आहार में शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मंत्री गजेंद्र यादव, मंत्री दयाल दास बघेल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत, राज्य सभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, श्रीमती वीणा सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव सुश्री शहला निगार, विभिन्न संस्थाओं की पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उपस्थित थीं।

जानकारी लोगों तक पहुंचाएगा।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ मां और सुपोषित बच्चा स्वस्थ समाज की मजबूत नींव हैं। केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा बेहतर भविष्य के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनभागीदारी से पोषण के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव को और गति दी जा रही है।

नन्हे बच्चों को खीर खिलाकर कराया अन्नप्राशन

कार्यक्रम में आत्मीयता का एक विशेष दृश्य उस समय देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री श्री साय ने नन्हे बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया। उन्होंने बच्चों को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उनके स्वास्थ्य, खुशहाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीजा-पोरा के पारिवारिक उत्सव के बीच अन्नप्राशन संस्कार और पोषण से जुड़ी गतिविधियों ने कार्यक्रम को सुपोषण के संदेश से भी जोड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों की माताओं से भी आत्मीय संवाद किया और बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण की जानकारी ली।

महतारी वंदन से माताओं-बहनों को मिल रहा आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की 68 लाख से अधिक माताओं-बहनों को हर महीने एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक 31 किस्तों के माध्यम से 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि माताओं-बहनों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रवास के दौरान माताओं-बहनों से मिलने पर इस योजना से उनके जीवन में आए बदलाव की अनेक प्रेरक कहानियां सामने आती हैं। कोई बहन महतारी वंदन की राशि को बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर रही है, तो कोई सिलाई मशीन खरीदकर आजीविका का साधन तैयार कर रही है। अनेक माताएं-बहनें सब्जी-भाजी, किराना दुकान और छोटे व्यवसायों में इस राशि का उपयोग कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं।

उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों के हाथ में अपनी राशि होने से उनमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है। सरकार का प्रयास है कि महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि आजीविका, कौशल, स्वामित्व और उद्यमिता के अवसर भी उपलब्ध हों।

लखपति दीदी से ड्रोन दीदी तक - बदल रही मातृशक्ति की तस्वीर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। छत्तीसगढ़ में 13 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं, जबकि निर्धारित लक्ष्य 8 लाख महिलाओं का था। यह उपलब्धि माताओं-बहनों की मेहनत, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि महिलाएं अब पारंपरिक भूमिकाओं से आगे बढ़कर अनेक नए क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे घरों के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति से जुड़कर महिलाएं ह्यडीलर दीदीह्व बन रही हैं। निर्माण क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं ह्यरानी मिस्त्रीह्व के रूप में काम कर रही हैं। खेती में आधुनिक तकनीक अपनाते हुए ह्यड्रोन दीदीह्व खेतों में उर्वरक और दवाइयों का छिड़काव कर आय के नए अवसर तैयार कर रही हैं। कई ड्रोन दीदियां एक दिन में 20 से 25 एकड़ खेतों में छिड़काव कर लगभग सात हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम दानसरा की माताओं-बहनों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां महिलाओं ने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को एकत्र कर भगवान श्रीराम का मंदिर बनाने का प्रेरणादायी संकल्प लिया है। उन्होंने इसे मातृशक्ति की आस्था, सामूहिकता और दृढ़ संकल्प का सुंदर उदाहरण बताया।

महिलाओं के नाम संपत्ति को प्रोत्साहन, स्वामित्व से बढ़ रहा आत्मविश्वास मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें संपत्ति में स्वामित्व देने की दिशा में भी राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महिलाओं के नाम संपत्ति की रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत तथा स्टांप शुल्क में एक प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इससे महिलाओं के नाम पर संपत्ति के पंजीयन को प्रोत्साहन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ महिलाओं को अवसर, सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय में भागीदारी देना है। सरकार इसी व्यापक सोच के साथ माताओं-बहनों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन 1,600 से अधिक आवासों का निर्माण हो रहा है। पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं और इनमें से साढ़े 11 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान प्रदेश के लिए 3 लाख 65 हजार नए प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान की है।

पेंशनरों की समस्याओं पर मंथन, नई रणनीति के साथ संघर्ष तेज करने का निर्णय

महिला प्रकोष्ठ की कमान सुशीला नेताम को, सरोज सिन्हा बनीं सचिव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पेंशनर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ प्रदेश की बैठक शनिवार को ठाकुर प्यारेलाल स्कूल में हुई। बैठक में पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं और संगठन की आगामी कायर्योजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा के साथ हुआ। मुख्य अतिथि निसार अहमद, संगठन सचिव शैलेंद्र सिंह, अध्यक्ष पतिराम साव और सचिव के.डी. साहू के मार्गदर्शन में कायर्वाही शुरू हुई। इस दौरान नए

सदस्यों का स्वागत किया गया और उनसे संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। सदस्यों ने अपनी व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याएं रखीं। पदाधिकारियों ने कहा कि पेंशनरों के हितों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता से उठाया जाएगा और संगठन को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा। समस्याओं के निराकरण के लिए नई रणनीति के साथ जुझारू तरीके से काम करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया। सुशीला नेताम को अध्यक्ष और सरोज सिन्हा को सचिव सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

अंत में सचिव के.डी. साहू ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

बीजाभांठा में अवैध मुरूम उत्खनन चैन माउंटेन लोडर वाहन जप्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम बीजाभांठा में अवैध मुरूम उत्खनन की शिकायत मिलने पर खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा स्थित का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम बीजाभांठा के कुछ ग्रामीणों की सहमति से अमलीडीह टोलागांव निवासी संजय कठोलिया

को उत्खनन के लिए दिया गया है। उत्खनन के दौरान ग्राम बीजाभांठा के भांठा तालाब के लगभग 15.20 फीट पार (मेड) को तोड़ दिया गया है। खनिज मुरूम को बिना वैध अनुमति के अन्यत्र उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। मौके से चैन मांउटेन सिरियल नंबर एसपी 20-68034, मॉडल नंबर ईएक्स 200-5जी एवं चैन मांउटेन लोडर वाहन नंबर सीजी 04 जेडी 1520 को जप्त कर ग्राम पंचायत सरंपच को सुपुर्द कर दिया गया है। इस दौरान नायब तहसीलदार डोंगरगांव, पटवारी, खनिज विभाग की टीम एवं ग्रामीण उपस्थित थे। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

खास खबर

ग्राम सिंघोला में जर्जर पानी टंकी पर प्रशासन की त्वरित कारर्वाई, सुरक्षा के मद्देनजर हटाया गया

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंघोला में स्थित पुरानी आरसीसी उच्च स्तरीय अत्यंत जर्जर पानी टंकी को आज सुरक्षित तरीके से हटाने की कारर्वाई की गई। ग्रामवासियों ने जर्जर टंकी को लेकर प्रशासन को सूचना दी थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने कारर्वाई सुनिश्चित की। टंकी तोड़ने से पहले ग्रामीणों को जानकारी दी गई और सुरक्षा के लिहाज से सभी जरूरी सावधानियां बरती गईं। पूरी कारर्वाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जर्जर और अनुपयोगी संरचनाओं से संबंधित सूचनाओं पर प्राथमिकता से कारर्वाई कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

बिलासपुर में 52.41 करोड़ के सड़क विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

उप मुख्यमंत्री एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज बिलासपुर के रामा वैली में आयोजित कार्यक्रम में 52.41 करोड़ रुपए के विभिन्न सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 40.79 करोड़ रुपए की लागत से पेंड्रीडीह चौक से नेहरू चौक तक 15.37 किलोमीटर सड़क का मजबूतीकरण, 8.39 करोड़ रुपए की लागत से हथनी-नवागांव-गोड़ी-उड़गन मार्ग के 5.75 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा बोदरी में 3.23 करोड़ रुपए की लागत से नवीन विश्राम गृह का निर्माण शामिल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक धरमलाल कौशिक ने की।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस अवसर पर कहा कि इन सड़क विकास कार्यों के पूर्ण होने से हाई कोर्ट सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी और यातायात सुगम होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सड़क अधोसंरचना के विकास को प्राथमिकता दे रही है। पिछले ढाई वर्षों में अकेले बिलासपुर जिले में 1000 करोड़ रुपए से अधिक के सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसी तरह बिलासपुर संभाग में लगभग 3500 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्य मंजूर किए गए हैं। बारिश के बाद इन सभी कार्यों में तेजी आएगी। साव ने विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों को स्वीकृत कार्यों को समय पर प्रारंभ करने की आवश्यक तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सड़क एवं पुल-पुलियों के निर्माण के लिए 12 हजार 666 करोड़ रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में एक वर्ष में इतनी बड़ी संख्या में सड़क

विकास कार्यों को स्वीकृति मिलना अभूतपूर्व है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित एक-एक गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरा कर रही है। गांव से लेकर शहर तक तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। केंद्र सरकार से भी प्रदेश के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं में भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का कलंक छत्तीसगढ़ से मिट गया है और प्रदेश में निवेश एवं उद्योग स्थापित करने के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे हैं। युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कायर्योजना पर काम किया जा रहा है, ताकि युवा नौकरी तलाशने वाले ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले भी बनें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक धरमलाल कौशिक ने अपने विधानसभा क्षेत्र में लगभग 400 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अच्छी और गुणवत्तापूर्ण सड़कों का होना बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सड़क अधोसंरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास के लिए भी सरकार द्वारा पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवनी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नशीली सिरप-कैप्सूल की सप्लाई यूपी तक जुड़ी जौनपुर से आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नशीली सिरप और कैप्सूल की अवैध सप्लाई से जुड़े मामले में रायपुर पुलिस ने बैकवर्ड लिंक के आधार पर कारर्वाई करते हुए एक और अंतर्राज्यीय आरोपी को उत्तर प्रदेश के जौनपुर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 23 वर्षीय ऋषभ सोनकर के रूप में हुई है। इस प्रकरण में अब तक कुल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की एंड-टू-एंड विवेचना करते हुए इससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। कारर्वाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई है।

मामला थाना डी.डी. नगर में दर्ज अपराध क्रमांक 452/2026 का है, जिसमें धारा 22(बी), 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कारर्वाई की जा रही है। अ'२ङ्ग फ्रीं - गणेशोत्सव से पहले पश्चिम क्षेत्र में पुलिस का बड़ा अभियान, 132 लोगों पर कारर्वाई गढ़ही तालाब के पास पकड़े गए थे दो आरोपी पुलिस के मुताबिक 27 जुलाई 2026 को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में संयुक्त टीम ने रायपुरा स्थित गढ़ही तालाब के पास कारर्वाई की थी। इस दौरान छन्नू वर्मा और राहुल देव सारवा को गिरफ्तार किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने केवल दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी तक कारर्वाई सीमित नहीं रखते हुए नशीली दवाओं के पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच करने के निर्देश दिए।

पूछताछ में सामने आया जौनपुर का कनेक्शन गिरफ्तार आरोपियों से प्रतिबंधित नशीली दवाओं के स्रोत, सप्लायर और सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों ने उक्त नशीली दवाएं उत्तर प्रदेश के जौनपुर निवासी ऋषभ सोनकर से प्राप्त करने की जानकारी दी। इस जानकारी के बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और आरोपियों से मिली सूचनाओं को खंगालना शुरू किया।

इंदिरा नगर में चाकूबाजी : 3 घंटे में आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग भी पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना बसंतपुर क्षेत्र के इंदिरा नगर में युवक पर धारदार चाकू से हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने 3 घंटे के भीतर पकड़ लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार 12 सितंबर की रात करीब 10 बजे केवल वर्मा (20 वर्ष) अपने साथियों के साथ इंदिरा नगर चौक स्थित मनोज पान ठेला के पास बैठा था। इसी दौरान टोपेन्द्र सिन्हा और उसका नाबालिग साथी वहां पहुंचे और मुखबिरी की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर टोपेन्द्र ने धक्का दिया और उसके साथी ने केवल के पेट पर चाकू से वार कर दिया।

सूचना मिलते ही बसंतपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल ले गई। परिजन मौजूद न होने पर पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कराया।

एसपी सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कीर्तन राठौर और डीएसपी क्राइम सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में टीम गठित कर दबिश दी गई और आरोपी टोपेन्द्र सिन्हा (26 वर्ष) निवासी इंदिरा नगर और विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। आरोपी टोपेन्द्र के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट और आबकारी के मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 422/2026 धारा 296, 115(2), 109, 3(5) इठर के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है। नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कारर्वाई की गई है।

झांकी दर्शन पर टिकट की मार, आस्था के नाम पर जेब में वार!

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

गणेश और झांकी के नाम से प्रसिद्ध राजनांदगांव जिले की पहचान पर अब ग्रहण लगता दिख रहा है। हॉकी स्पर्धा करीब 3 सालों से बंद पड़ी है, वहीं स्थल झांकियों की संख्या भी घटती जा रही है। इस बीच एक बार फिर झांकी दर्शन के लिए टिकट व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि जिले के कई पंडालों में इस बार बिना टिकट के झांकी में प्रवेश नहीं मिलेगा। श्रद्धालु आस्था और भक्ति भाव से दर्शन करने पहुंचेंगे, लेकिन उन्हें पहले जेब ढीली करनी पड़ेगी। इससे धार्मिक आयोजन के व्यवसायीकरण को

लेकर बहस तेज हो गई है। हर साल गणेश पर्व पर टिकट को लेकर चर्चा होती है। बड़ा सवाल यह है कि टिकट से होने वाली आय का हिसाब क्या होगा? राशि किस आधार

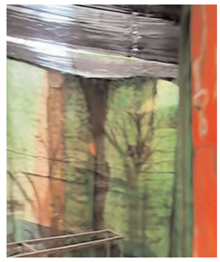

पर तय की गई है और क्या इसके लिए प्रशासन से अनुमति ली गई है?

धार्मिक आयोजनों में सुविधा और सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है। ऐसे में अगर टिकट अनिवार्य किया जा रहा है तो प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि अनुमति किस आधार पर दी गई है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आस्था के नाम पर शुल्क वसूलना अनुचित है।

गौरतलब है कि आज से 15-20 साल पहले भी कुछ समितियों ने टिकट बेचना शुरू किया था। तब टिकट लेकर भी घंटों इंतजार और अव्यवस्था की शिकायत पर तत्कालीन कलेक्टर जी.एस. मिश्रा ने टिकट सिस्टम बंद कराकर श्रद्धालुओं को राहत दी थी। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस बार क्या रुख अपनाता है।

कार्रवाई पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 160 पौवा देशी मसाला शराब, बिक्री की नकदी और एक मोटरसाइकिल जब्त

अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर ग्रामीण पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में एक ही दिन में तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 160 पौवा देशी मसाला शराब, बिक्री की नकदी और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पूरी कार्रवाई में जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 70 हजार 70 रुपये बताई गई है।

रायपुर ग्रामीण पुलिस की ओर से अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 13 सितंबर 2026 को गोबरा नवापारा पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचनाओं के आधार पर तीन

अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। अ'२ङ्ग फ्रीं - गणेशोत्सव से पहले पश्चिम क्षेत्र में पुलिस का बड़ा अभियान, 132 लोगों पर कार्रवाई ज़्यादा जानें इ१ें्ल्ं ठी६२ री१५ी अंतर्राष्ट्रीय समाचार पढ़ें राजनीति दुलना में 95 पौवा शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार पहली कार्रवाई ग्राम दुलना में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेचने के साथ लोगों को शराब पिला रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर डोमन साहू (55) को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक उसके कब्जे से 95 पौवा देशी मसाला शेरा शराब बरामद हुई। इसकी कुल मात्रा 17.100 बल्क लीटर और कीमत करीब 10,450 रुपये बताई गई है। इसके अलावा शराब की बिक्री और परिवहन में कथित तौर पर इस्तेमाल पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक 0529 भी जब्त की गई। मोटरसाइकिल की अनुमानित कीमत 45 हजार रुपये है। इस कार्रवाई में कुल 55,450 रुपये की जब्ती की गई। आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 267/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। आरंग रोड पर 33 पौवा शराब बरामद दूसरी कार्रवाई चंपारण चौक के आगे आरंग रोड, नवापारा में की गई।

रायपुर में साइबर जागृति अभियान, 09 वीडियो मॉड्यूल से दी जा रही जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के नॉर्थ जोन में साइबर जागृति अभियान के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों और बचाव के उपायों के बारे में बताया जा रहा है।

साइबर जागरूकता को प्रभावी बनाने के लिए साइबर संकल्प के तहत 09 विशेष वीडियो मॉड्यूल तैयार किए गए हैं, जिनमें 5 से 6 मिनट में सरल भाषा में सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की जानकारी दी जा रही है।

शनिवार को थाना उरला, खमतराई, खम्हारडीह और पंडरी

क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना उरला में रइळ ळी७३ ीर कंपनी, खमतराई में 25 स्थानों पर, खम्हारडीह में 18 स्थानों पर और पंडरी के अम्बुजा मॉल में लोगों को जागरूक किया गया।

पुलिस ने अपील की है कि अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक से सावधान रहें, डळढ और बैंक डिटेल किसी से साझा न करें। ठगी होने पर गोल्डन ऑवर में तुरंत 1930 पर शिकायत करें।

भगवान गणेश को चढ़ाएं ये चीजें, दूर होंगी सभी विघ्न-बाधाएं

गणपति बप्पा मोरया अब हर जगह पर आपको यही आवाज सुनाई देगी। 14 सितंबर से गणपति का आगमन हो रहा है, जिसकी तैयारियां पूरी हो गई हैं। किसी ने मंदिर को सजाना शुरू कर दिया है, तो किसी ने अपने घर में गणपति को रखने के लिए जगह सजनी शुरू कर दी है। लेकिन आपको गणपति लाने से पहले कई सारी चीजें हैं, जिनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपका पूजन संपन्न होता है। साथ ही, आपकी सारी मनोकामना पूरी होती है। चलिए आपको बताते हैं कौन सी बातें हैं, जिन्हें जानना जरूरी होता है।

गणेश जी को चढ़ाएं दूर्वा की माला

गणेश जी को दूर्वा बेहद प्रिय होती है। इसलिए कई सारे लोग गणेश पूजन के समय इसे गणपति जी को जरूर चढ़ाते हैं। लेकिन गणेश उत्सव के समय अगर आप 51 दूर्वा दूर्वा की माला चढ़ाएंगी, तो इससे आपकी मनोकामना जल्दी पूरी होगी। लेकिन यह आपको तब तक चढ़ानी है, जब तक आपके घर में गणपति विराजमान हैं। इससे आपके घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी। साथ ही, आपकी सारी इच्छा पूरी हो जाएगी।

गणेश जी को चढ़ाएं सिंदूर

हम सभी को यह तो पता है कि हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। लेकिन यह वही लोग चढ़ाते हैं, जिनकी मांगी हुई इच्छा पूरी होती है। आप इसी सिंदूर को गणपति को चढ़ाएं। इससे भी आपकी इच्छा पूरी होगी। इस सिंदूर को आप अपने घर में रखे गणपति पर चढ़ाएं। इसके बाद रोजाना इसका टिका लगाएं। इससे आपके सारे काम बन जाएंगे।

इन मत्रों का करें जाप

गणेश पूजन के समय घर में सुबह और शाम पूजा होती है। इस पूजा में आरती की जाती है। लेकिन अगर आपको भगवान गणेश को प्रसन्न करना है, तो इसके लिए आप एक मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए। गणेश पूजा मंत्र- ॥ ऊँ गं गणपतये नमः ॥ इस मंत्र का जप करें। आप चाहें तो इसे किसी पेपर पर भी लिख सकती हैं। इससे आपके सारे काम बनने शुरू हो जाएंगे। इस मंत्र को आपको रोजाना चेंट करना है।

भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए इन उपायों को करें। इससे आपकी सारी बाधाएँ दूर हो जाएगी और सफलता प्राप्त होगी। इस दिन की गई आराधना से बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है, जिससे मानसिक शांति और सफलता की प्राप्ति होती है। इसलिए आपको यह उपाय जरूर करना चाहिए। पंडित जी के बताए गए इन उपायों को करने से आपके सारे काम बन जाएंगे। साथ ही, आपकी इच्छाएं पूरी होंगी।

गणेश चतुर्थी कब है शुभ तिथि, योग, मुहूर्त और पूजा का महत्व

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दौरान भक्त गणपति बप्पा की प्रतिमा अपने घर में स्थापित करते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। इस दौरान बप्पा की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। भगवान गणेश को बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का कारक माना जाता है। बप्पा सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता है। इनकी पूजा करने के बाद ही देवी-देवता की पूजा करने का मान्यता है। आपको बता दें, वैसे तो हर महीने चतुर्थी तिथि के दिन भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। लेकिन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली चतुर्थी तिथि को बेहद खास माना जाता है। वहीं अनंत चतुर्थी के दिन बप्पा को विदा करते हैं। अब ऐसे में इस साल गणेश चतुर्थी कब से आरंभ हो रहा है। पूजा का शुभ मुहूर्त कब है। इस पर्व का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

गणेश चतुर्थी के दिन पूजा का महत्व क्या है?

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी पूजा करने से सभी प्रकार के विघ्न दूर होते हैं और कार्य में सफलता मिलती है। गणेश चतुर्थी को नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन नए काम की शुरुआत करना शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को ज्ञान और

बुद्धि का देवता भी माना जाता है। उनकी पूजा करने से बुद्धि में वृद्धि होती है और ज्ञान प्राप्त होता है। गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। गणेश जी की पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गणेश चतुर्थी कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 6 मिनट पर आरंभ होगी और 15 सितंबर को सुबह में 7 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। ऐसी मान्यता है कि गणेशजी का जन्म दोपहर के समय हुआ था।

इसलिए गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को ही मनाया जाएगा।

इस बार 12 दिनों का रहेगा गणेश उत्सव

गणेश उत्सव आमतौर पर 10 दिनों का होता है, लेकिन हिन्दू पंचांग के अनुसार गणना और तिथियों के विशेष संयोग के कारण वर्ष 2026 में गणेशोत्सव 12 दिनों तक मनाया जा रहा है। यह एक दुर्लभ खगोलीय व धार्मिक संयोग है, जो लगभग 9 साल बाद (2017 के बाद) बन रहा है। इस बार कई शुभ योग में यह गणेश उत्सव मनाया जाएगा।

कारण: चन्द्र पंचांग के अनुसार तिथियों के घटने-बढ़ने (वृद्धि तिथि) और सूर्योदयकालीन तिथि गणना के कारण चतुर्थी तिथि से अनंत चतुर्दशी तक की कुल अवधि 12 दिनों की हो रही है।

घर में कितने दिनों तक रखनी चाहिए बप्पा की मूर्ति?

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल गणेशोत्सव की शुरुआत 14 सितंबर से हो रही है। इस दौरान लगभग सभी अपने घरो में गणपति को स्थापित कर उनकी पूजा करते हैं। गणेश जी को वैसे तो घर में पूरे 10 दिनों तक रखने का विधान है। आखिरी दिन नदी,कुंड या तालाबों में विसर्जित कर दिया जाता है, लेकिन श्रद्धा, भक्ति और क्षमता के अनुसार लोग 1, 3, 5 या 7 दिनों तक भी घर में गणपति जी को रखकर उनकी विदाई कर सकते हैं। हालांकि, अधिकांश भक्त अनुष्ठान पूजा के बाद अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर बप्पा की विदाई करते हैं।

कैसे करें गणपति की स्थापना और पूजा

- प्रातःकाल स्नान के बाद सबसे पहले व्रत और पूजा का संकल्प लें।
- घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाएं।
- गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें, उन पर गंगाजल छिड़कें और उनका अभिषेक करें।
- गणपति को सिंदूर, दूर्वा (21 पत्तियाँ), लाल फूल, मोदक, लड्डू, नारियल, गन्ना, फल और नैवेद्य अर्पित करें।
- गणेश चालीसा, अथर्वशीर्ष या फिर गणपति स्तोत्र का पाठ करें।
- पूजा के अंत में घंटा, शंख और मंजीरे के साथ गणेश जी की आरती करें।
- यह पूजा प्रक्रिया सायंकाल के समय भी दोहराई जाती है, ताकि दिन भर गणेशजी की उपासना बनी रहे। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को भोजन और दान देकर फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें।

गणपति स्थापना में कलश क्यों है जरूरी? कौन सी 7 चीजें रखते हैं कलश में

गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस दिन घरों और पंडालों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना की जाती है. इस बार गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर दिन सोमवार को मनाया जाएगा. हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को घरों और पंडालों में गणेशजी की स्थापना की जाती है और पर्व की शुरुआत हो जाती है. 10 दिन तक चलने वाले इस पर्व का समापन भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ हो जाता है. गणपति स्थापना की पूजा में मूर्ति के साथ कलश स्थापना का भी विशेष महत्व माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश को शुभता, समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है. मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने से कार्य में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है. गणेश चतुर्थी पर घर में गणपति की स्थापना करना श्रद्धालुओं के लिए भगवान के स्वागत का प्रतीक है. पूजा के दौरान भक्त भगवान गणेश को दूर्वा, मोदक, लड्डू और लाल फूल अर्पित करते हैं. इसके बाद आरती और मंत्र-जाप किया जाता है. गणपति स्थापना केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-शांति, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा की कामना से जुड़ी परंपरा भी है.

क्यों जरूरी माना जाता है कलश?

हिंदू पूजा पद्धति में कलश को देवताओं का प्रतीक माना जाता है. गणेशजी की स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश स्थापित किया जाता है. सामान्यतः मिट्टी, तांबे या पीतल के कलश में जल भरकर उसके ऊपर आम या अशोक के पत्ते और नारियल रखा जाता है. मान्यता है कि कलश में जल जीवन और ऊर्जा का प्रतीक है, जबकि नारियल पूर्णता और शुभता का प्रतीक माना जाता है. कलश की स्थापना से पूजा स्थल को पवित्र और सकारात्मक बनाने की परंपरा है. गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के दौरान कलश को भगवान गणेश के समीप रखा जाता है. कई परिवारों में कलश को पूजा की शुरुआत में स्थापित किया जाता है और इसके बाद गणे जी का आह्वान, संकल्प और पूजन किया जाता है. धार्मिक दृष्टि से यह पूरी पूजा को शुभ आधार प्रदान करने वाली परंपरा मानी जाती है.

कलश में रखी जाने वाली 7 चीजें

स्वच्छ जल, अक्षत यानी चावल, सुपारी, सिक्का, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, नारियल

गणेश स्थापना के लिए कैसे रखें कलश

धार्मिक मान्यताओं में कलश को मंगल, शुभता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है. गणेश स्थापना के समय पूजा स्थल को साफ करके चौकी पर कलश रखें. हमेशा गणेश स्थापना से पहले पूजा स्थल की शुद्धि करके कलश की स्थापना की जाती है. कलश में शुद्ध जल भरें और उसमें अक्षत, गंगाजल, सुपारी व सिक्का डालें. कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल स्थापित करें. कलश के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखें. इसके बाद कलश और गणपति का विधिवत पूजन करें. हालांकि कलश स्थापना की विधि और उसमें रखी जाने वाली सामग्री अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों की धार्मिक परंपराओं के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है. इस प्रकार कलश और गणपति स्थापना का संबंध पूजा की पवित्रता, शुभता और मंगलकामना से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई गणेश पूजा से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन से विघ्न दूर करते हैं.

गणपति बप्पा की पूजा करने से मिलते हैं ये लाभ, पूरी होती है सारी मनोकामना

हमारे देश में आजकल पूजा-पाठ भी सुविधा के अनुकूल हो गई है। पहले आराधना का अर्थ सर्वोच्च शक्ति को याद करते हुए मंत्रों और अनुष्ठानों में पूरे दिल और आत्मा से लगना होता था। लेकिन समय के साथ जैसे-जैसे तकनीकी छलांग बढ़ती जा रही है, देवताओं की पूजा की पूरी अवधारणा में व्यापक बदलाव आया है। आज लोगों को दूसरों से बात करते, टीवी देखते और यहां तक कि खाते या पीते हुए भी अपने देवता के नाम का जाप करते देखा जा सकता है। यह सब आज लोगों की पूजा का तरीका है।

बुद्धि- भगवान गणेश का हाथी वाला सिर ज्ञान का प्रतीक है। इसलिए अगर आप गणेश की पूजा करती हैं तो आप जानबूझकर या अवचेतन रूप से ज्ञान प्राप्त कर सकती हैं। अगर आपने भगवान गणेश को अपने सर्वोच्च देवता के रूप में पूजा करने के लिए चुना है तो इसका मतलब है कि आपको उनकी शक्तियों में से एक के रूप में ज्ञान पसंद है। इस प्रकार रोजाना भगवान गणेश की पूजा करना जीवन की आपकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं की याद दिलाता है और आप ज्ञान प्राप्त करने के लिए इसका पीछा करते हैं।

सौभाग्य - ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश सौभाग्य और धन के देवता हैं। अगर आप उनकी भक्त बन जाती हैं और भाग्य को प्राप्त करने के लिए अपने दिल से काम करती हैं तो आप खाली हाथ नहीं लौटेंगी। आप समर्पण की एक उन्नत अवस्था प्राप्त करेंगी और अपने जीवन में धन और शक्ति की प्रचुरता की ओर आसानी से काम करेंगी। आपको बस अपने वास्तविक जीवन में उनके पाठों का पालन करना है।

अगर आप अक्सर अपना आपा खो देती हैं तो धैर्य क्रोध को नियंत्रित करने की कुंजी है। भगवान गणेश के बड़े कान इस बात का प्रतीक हैं कि वह एक अच्छे श्रोता हैं और अगर आप खुद को उनके प्रति समर्पित करती हैं और अपने आंतरिक शक्ति पर ध्यान केंद्रित करती हैं तो आपमें धीरे-धीरे समान स्तर का धैर्य विकसित होता है। यह निश्चित रूप से आपको एक बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा।

समृद्धि - हर कोई एक समृद्ध और हेल्दी जीवन का सपना देखता है और यह बहुत हद तक आपके द्वारा चुनी गई जीवनशैली पर निर्भर करता है। जब आपने भगवान गणेश को अपना देवता चुना और उन्हें अपनी पूजा अर्पित की, तो आप उत्साहपूर्वक सफलता प्राप्त करने की दिशा में काम करती हैं। आप खुद को दृढ़निश्चयी और आसानी से तैयार पाएंगी जो आपको आपकी भलाई की ओर ले जाएगा।

आपकी आत्मा शुद्ध होगी - भगवान गणेश में ध्यान और विश्वास करने से आप अपने आचरण में अंतर को नोटिस और शांति की भावना का अनुभव कर सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो कोई भी अपना जीवन उसके प्रति समर्पित करता है वह आत्मा को शुद्ध कर देते हैं क्योंकि आप अच्छे कार्यों पर ध्यान केंद्रित और अपने जीवन में नकारात्मकता को दूर करती है जिससे आपकी आत्मा शुद्ध होती है।

ज्ञानी बनेंगे हैं आप - भगवान गणेश सभी देवताओं में सबसे बड़े ज्ञानी माने जाते हैं। यह उनके सबसे मजबूत गुणों में से एक है। जब आप उसे आत्मज्ञान के एकमात्र मकसद से पूजती हैं तो आप खुद को रूपांतरित होते देखेंगी।

सभी बाधाएं होती हैं दूर

गणेशजी को विघ्नहर्ता माना जाता है। जब आप पूरे विश्वास के साथ भगवान गणेश की पूजा करते हैं तो वह आपका मार्गदर्शन करते हैं और आपको सभी चीजों से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। आप अपने डर पर विजय पाकर अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर कर सकती हैं। आप अपने अंदर छिपे गुणों को अनलॉक करती हैं और किसी भी मुश्किल स्थिति को आसानी से पार कर लेती हैं।

'हनुमान अंश' की 100 करोड़ की ओटीटी डील निकली झूठ

'हनुमान अंश' फिल्म को ओटीटी पर 100 करोड़ रुपये की डील मिलने का दावा किया जा रहा था। सोशल मीडिया पर इस बारे में चर्चा बढ़ने लगी और फैंस के रिएक्शन सामने आने लगे। अब इस दावे को खारिज करते हुए फिल्म की प्रोड्यूसर रागिनी सोना ने बयान दिया, जिसमें उन्होंने इस दावे को झूठा बताया। फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने इंडिया टीवी के साथ बात करते हुए बताया था कि उन्हें बॉलीवुड में कई लोगों ने इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज ना करके ओटीटी पर रिलीज करने की सलाह दी थी। जैसे ही 100 करोड़ की ओटीटी डील की खबर सामनें आई, इस बारे में हर तरफ चर्चा होने लगी।प्रोड्यूसर रागिनी सोना ने एनडीटीवी से बात करते हुए बताया फिल्म की 100 करोड़ की ओटीटी डील को झूठा बताया। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ भी नहीं है। ये सब सिर्फ अफवाहें हैं, इसलिए कृपया इन बातों पर ध्यान न दें। आज हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है कि कितने लोग फिल्म देखने थिएटर पहुंच रहे हैं। हमें क्या ऑफर मिल रहा है या कोई प्लेटफॉर्म क्या ऑफर कर रहा है, इसकी किसी को परवाह नहीं है। हमारी बस यही इच्छा है कि आप लोग फिल्म को थिएटर में देखें, इसे पसंद करें, प्यार दें और दूसरों तक इसकी अच्छी बातें पहुंचाएं। आज दर्शक ही फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। मैंने इससे पहले कभी ऐसा न सुना है और न ही देखा है। ये सब नीम करोली बाबा का ही चमत्कार है। निर्माता ने कहा बॉलीवुड हंगामा के साथ इंटरव्यू में फिल्म की निर्माता नम्रता सिंह ने फिल्म की ऑस्कर्स एंट्री पर बात करते हुए कहा, हमें बिल्कुल भी समय नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से हम ऑस्कर के लिए फिल्म की सबमिशन डेट भी मिस कर गए। भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री भेजने की आखिरी तारीख 7 सितंबर थी।निर्माता ने कहा इसके बाद हमें हजारों लोगों के फोन आए कि आपने अपनी फिल्म ऑस्कर के लिए सबमिट क्यों नहीं की, लेकिन सच कहें तो हमें इसकी जानकारी ही नहीं थी। इस समय हम कई चीजों में बिजी हैं और हमारी टीम भी बहुत छोटी है, इसलिए हम इस प्रक्रिया पर ध्यान नहीं दे पाए। निर्माता नम्रता सिंह से हुई इस भूल पर उन्हें काफी पछतावा भी हुआ। उनके हाथ से इतना बड़ा मौका निकल जाने की वजह से वह काफी निराश भी हुईं।

बिग बॉस 20 : अचीवमेंट वाला बयान मैरी कॉम को पड़ा भारी, टीम को देनी पड़ी सफाई

बॉक्सिंग में छह बार की वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बॉक्सर मैरी कॉम इन दिनों बिग बॉस 20 में नजर आ रही हैं. बॉक्सिंग में अपनी दमदार पहचान बनाने वाली मैरी अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं. लेकिन इस बार उनका एक बयान पर विवाद खड़ा हो गया है. बिग बॉस के शो में भारतीय महिला खिलाड़ियों की अचीवमेंट्स को लेकर बात हो रही थी, उस वक्त मैरी ने जो कहा, उसके बाद से उन पर सवाल उठने लगे हैं. मामले के तूल पकड़ने के बाद अब उनकी टीम ने सफाई देते हुए माफी मांगी है.दरअसल, बिग बॉस 20 के एक एपिसोड में मैरी कॉम और काजी तौकीर भारतीय महिला खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहे थे. इस दौरान काजी ने देश का नाम रोशन करने वाली कुछ महिला खिलाड़ियों का नाम लेना शुरू किया. उन्होंने टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल का जिक्र किया.काजी अपनी बात पूरी कर पाते, उससे पहले ही मैरी कॉम बोल पड़ी. उन्होंने कहा, %लेकिन मेरे जैसा कोई अचीव नहीं किया.% इसके बाद उन्होंने अपनी खेल की उपलब्धियों की तरफ इशारा किया.वैसे मैरी कॉम का खेल का रिकॉर्ड वाकई शानदार रहा है. वह छह बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं. उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता था. वह ओलंपिक में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला बॉक्सर हैं. लेकिन मैरी कॉम के इस बयान को लेकर लोग गुस्से में हैं.मैरी का यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का रिएक्शन मिला - जुला रहा. कुछ लोगों को लगा कि मैरी अपने जवाब के जरिए सानिया मिर्जा और साइना नेहवाल ने क्या हासिल किया इसकी तुलना अपनी अचीवमेंट्स से कर रही थीं.लोगों का कहना था कि काजी तो सिर्फ देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों के नाम गिना रहे थे, लेकिन मैरी के जवाब से बात तुलना तक पहुंच गई. कुछ लोगों ने इस बयान के लिए मैरी की आलोचना भी की और उन्हें घमंडी तक कह दिया.हालांकि, कई लोग मैरी के सपोर्ट में भी नजर आए. उनका कहना था कि मैरी कॉम ने अपने करियर में बहुत कुछ हासिल किया है और अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना गलत नहीं है.बढ़ती आलोचना के बीच अब मैरी कॉम की टीम ने इस पूरे मामले पर इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए सफाई दी है. टीम ने कहा कि अगर मैरी की बात को किसी दूसरे तरीके से समझा गया है तो इसके लिए वे माफी मांगते हैं.टीम ने लिखा, मैरी का मकसद किसी भी दूसरे खिलाड़ी को छोटा दिखाना नहीं था. न ही वह अपनी खेल यात्रा की तुलना किसी और खिलाड़ी से करना चाहती थीं. टीम के मुताबिक, मैरी भारत के लिए खेलने वाले हर खिलाड़ी का सम्मान करती हैं.टीम ने यह भी कहा कि हर खिलाड़ी का सफर अलग होता है और हर उपलब्धि की अपनी अहमियत होती है. जब भी कोई खिलाड़ी देश के लिए मेडल जीतता है तो ये देश के लिए गर्व की बात है. ये पहली बार नहीं है जब इस साल मैरी कॉम अपने किसी बयान को लेकर चर्चा में आई हैं. फरवरी में तलाक से जुड़े एक बयान को लेकर भी उनकी आलोचना हुई थी. उस समय अपने पूर्व पति को लेकर कही गई बात पर मैरी ने बाद में सफाई दी थी और माफी भी मांगी थी.

TIFF में कीर्ति सुरेश का देसी अंदाज कांचीपुरम सिल्क में बिखेरा जलवा

टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दुनिया के प्रमुख सिनेमा आयोजनों में गिना जाता है। यहां विभिन्न देशों और भाषाओं की फिल्मों, कलाकारों तथा फिल्म निर्माताओं को वैश्विक दर्शकों के सामने आने का अवसर मिलता है। ऐसे मंच पर कीर्ति सुरेश का भारतीय पारंपरिक पहनावे में पहुंचना उनके प्रशंसकों के लिए गर्व का क्षण बन गया। उनकी तस्वीरों ने यह संदेश भी दिया कि अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट पर अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ उपस्थित होना किसी कलाकार के व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बना सकता है।

भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने 2026 टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी नई फिल्म 'डोरोथी' के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। रेड कार्पेट पर पहुंचीं नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेत्री ने ग्लैमर के साथ भारतीय परंपरा का खूबसूरत मेल प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने लुक के माध्यम से तमिलनाडु और केरल से जुड़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों का जश्न मनाया। कीर्ति का यह पारंपरिक अंदाज अब प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।'डोरोथी' के वर्ल्ड प्रीमियर के लिए कीर्ति सुरेश ने कांचीपुरम सिल्क और पारंपरिक काशू माला का चयन किया। अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह के रेड कार्पेट पर भारतीय वस्त्र और आभूषण पहनकर पहुंचीं अभिनेत्री ने अपने लुक को केवल फैशन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे अपनी विरासत और पहचान से जोड़ा। उनकी तस्वीरों में पारंपरिक भारतीय सौंदर्य के साथ आत्मविश्वास और आधुनिक रेड-कार्पेट शैली का संतुलन दिखाई दिया। कीर्ति ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपने परिधान के पीछे की भावना भी बताई। उन्होंने लिखा, टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'डोरोथी' के लिए। कांचीपुरम सिल्क और काशू माला का मेल—टोरंटो में मेरी तमिल और केरल की जड़ों का जश्न। उनके इस संदेश से स्पष्ट हुआ कि अभिनेत्री के लिए यह लुक महज किसी बड़े समारोह में पहना गया परिधान नहीं था, बल्कि परिवार, संस्कृति और क्षेत्रीय विरासत से जुड़ाव की अभिव्यक्ति भी था। कांचीपुरम सिल्क दक्षिण भारतीय परंपरा में विशेष स्थान रखती है। अपनी बुनावट, चमक और पारंपरिक स्वरूप के कारण इसे खास अवसरों पर प्राथमिकता दी जाती है। दूसरी ओर, काशू माला केरल की पारंपरिक आभूषण शैली का हिस्सा मानी जाती है। सिक्कों जैसी आकृतियों वाली यह माला दक्षिण भारतीय साज-सज्जा को अलग पहचान देती है। कीर्ति ने इन दोनों सांस्कृतिक प्रतीकों को एक साथ अपनाकर तमिल और मलयाली विरासत के बीच सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया।टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दुनिया के प्रमुख सिनेमा आयोजनों में गिना जाता है। यहां विभिन्न देशों और भाषाओं की फिल्मों, कलाकारों तथा फिल्म निर्माताओं को वैश्विक दर्शकों के सामने आने का अवसर मिलता है। ऐसे मंच पर कीर्ति सुरेश का भारतीय पारंपरिक पहनावे में पहुंचना उनके प्रशंसकों के लिए गर्व का क्षण बन गया। उनकी तस्वीरों ने यह संदेश भी दिया कि अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट पर अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ उपस्थित होना किसी कलाकार के व्यक्तित्व को और प्रभावशाली बना सकता है।कीर्ति सुरेश ने अपने करियर में अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में अभिनय करते हुए पहचान बनाई है। अभिनय के साथ उनकी फैशन पसंद भी अक्सर चर्चा में रहती है। वह आधुनिक परिधानों के अलावा साड़ी और अन्य भारतीय वस्त्रों में भी दिखाई देती रही हैं। हालांकि टोरंटो में उनका यह लुक इसलिए खास रहा, क्योंकि इसे उन्होंने अपनी फिल्म के वर्ल्ड प्रीमियर और अपनी क्षेत्रीय जड़ों—दोनों से जोड़कर प्रस्तुत किया।

तमन्ना भाटिया के 'छठी मैया' गाने का कमाल, 2 दिन में 20 मिलियन व्यूज

'छठी मैया' गाने के यूट्यूब वीडियो पर महज 2 दिनों में करीब 22 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। कमाल बात ये है कि ये गाना 17वें नंबर पर दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा है। वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैंस इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि बॉलीवुड में छठ का महत्व देखना अच्छा लग रहा है।

तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा की आने वाली फिल्म 'द वन' में पहली बार छठ पूजा को दिखाया गया और साथ ही पहली बार छठी मैया पर एक गाना भी बनाया गया है। ये गाना 10 सितंबर 2026 को जी म्यूजिक कंपनी के ऑफिशियल यूट्यूब पर रिलीज किया गया। इस गाने को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं, इतना ही नहीं फिल्म और इस गाने की इसलिए भी चर्चा हो रही है क्योंकि बॉलीवुड में छठ पूजा के महत्व और आस्था को दिखाने वाली ये पहली फिल्म है।

'छठी मैया' गाने के यूट्यूब वीडियो पर महज 2 दिनों में करीब 22 मिलियन व्यूज आ चुके हैं। कमाल बात ये है कि ये गाना 17वें नंबर पर दुनियाभर में ट्रेंड कर रहा है। वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैंस इस गाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि बॉलीवुड में छठ का महत्व देखना अच्छा लग रहा है।इस गाने को सिंगर विशाल मिश्रा ने आवाज दी, बोल कौशल किशोर ने लिखे और गाने के लिए कोरियोग्राफी चिन्नी प्रकाश ने की है। गाने में सोशल मीडिया पर एक नाराजगी भी देखी गई जहां लोगों ने छठ पूजा को सही से ना दिखाने के लिए अपनी नाराजगी जताई। यूजर्स ने दावा किया कि इस पूजा में पीला रंग पहनना जरूरी होता है लेकिन तमन्ना भाटिया समेत सभी औरतें लाल साड़ी पहने दिखाई देती है।हालांकि गाने में हर जरूरी रस्म को ध्यान रखा गया है जैसे शाम के समय में अर्घ्य देना या सुबह की पूजा करना और कोसी भरने की रस्म निभाना, गाने में इन सभी जरूरी बातों का अच्छे से ध्यान रखा गया। दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार के निर्देशन में बनी फिल्म 'द वन' एक फैंटेसी थ्रिलर है जो पौराणिक कथा से प्रेरित है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा, तमन्ना भाटिया, सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और अनूप सोनी जैसे कलाकार हैं।फिल्म 'द वन' की कहानी की बात करें तो, ये एक रहस्यमयी जंगल, अलौकिक शक्तियां और एक प्राचीन मंदिर की कहानी है, जहां एक शहरी इंसान अपने पूर्वजों के गांव के प्रतिबंधित जंगल में जाता है और एक दैवीय शक्ति को जागृत करता है। फिल्म 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों की नहीं होगी कमी : विष्णु देव

शासन और छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के बीच बेहतर समन्वय के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी को दी जाएगी विशेष जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के गांवों, वनांचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। आवश्यकता है कि उनकी समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं। राज्य सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार करने के साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए संसाधनों और अवसरों की कमी नहीं होने दी जाएगी।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ की एग्जीक्यूटिव बॉडी मीटिंग एवं जनरल काउंसिल मीटिंग को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता और पदक तक सीमित नहीं हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के अनुरूप तैयार करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए खेल अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षण और प्रतिभा चयन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को उद्योग समूहों से जोड़ने की पहल में तेजी लाने की बात कही। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक बड़े उद्योग समूह कार्यरत हैं। इन समूहों के सहयोग को खेलों के विकास से जोड़ा जाए तो खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता, प्रतियोगिताओं के आयोजन और खेल अधोसंरचना के विस्तार में महत्वपूर्ण सहायता मिल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उद्योग जगत और खेल गतिविधियों के बीच बेहतर समन्वय के सकारात्मक परिणामों को करीब से देखा है। यदि अलग-अलग उद्योग समूह विभिन्न खेलों और खेल संघों के साथ जुड़कर सहयोग करें, तो प्रदेश में खेलों के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने इस दिशा में सुनियोजित ढंग से पहल करने को कहा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ और राज्य शासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। खेल संघों से जुड़े विषयों, उनकी आवश्यकताओं और शासन स्तर पर जरूरी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री सचिवालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को विशेष रूप से छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के साथ समन्वय की जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे खेल संघों की आवश्यकताओं और विभिन्न प्रस्तावों पर शासन स्तर पर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि खेलों के विकास से जुड़े विषयों का समयबद्ध समाधान हो और खिलाड़ियों को योजनाओं तथा सुविधाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए शासन और खेल संगठनों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है।

रायपुर में 60 करोड़ रुपए की लागत से बन रही आचर्री अकादमी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। रायपुर, रायगढ़ और कुनकुरी में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। रायपुर में लगभग 60 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक आचर्री अकादमी का निर्माण भी किया जा रहा है। इन सुविधाओं के विकसित होने से प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और अभ्यास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी खेल अधोसंरचना तैयार करने का प्रयास है, जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ी आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों और आवश्यक संसाधनों के साथ अपनी क्षमता को निखार सकें। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी।

खेत में अवैध बिजली तार से करंट लगने से युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

थाना बतौली क्षेत्र में जंगली सुअर के शिकार के लिए खेत में बिछाए गए अवैध बिजली के नंगे तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी किसान को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला 12 सितंबर का है। सूचक राम कैलाश ने थाना बतौली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई रामकृष्णा कोरवा साथियों के साथ बाड़ी की सफाई कर रहा था। सुबह करीब 10:30 बजे झाड़ी हटाने के लिए लकड़ी का गेंड़ा लेने वह मनबहाल कोरवा के मक्का खेत से गुजरा, जहां आरोपी द्वारा घर से अवैध कनेक्शन लेकर बिछाए गए नंगे जीआई तार की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 63/2026 धारा 194 इठरर कायम कर जांच शुरू की और अपराध क्रमांक 117/26 धारा 105 इठर एवं 135 विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी मनबहाल राम पिता कमंडल उम्र 44 वर्ष निवासी बासाझाल ने अपराध स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तार जप्त कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

30 सितम्बर को दुर्ग में संभाग स्तरीय महारैली, धरना-प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कमर्चारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर मोदी की गारंटी, लंबित महंगाई भत्ता तथा कमर्चारियों-अधिकारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आगामी 30 सितम्बर 2026 को दुर्ग संभाग स्तरीय एक दिवसीय महारैली, धरना एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह संभाग स्तरीय आंदोलन 30 सितम्बर 2026 को साइंस कॉलेज, दुर्ग के सामने निर्धारित धरना-प्रदर्शन स्थल पर आयोजित किया जाएगा। महारैली में दुर्ग संभाग के विभिन्न जिलों एवं विभागों से बड़ी संख्या में कमर्चारी एवं अधिकारी शामिल होंगे। आंदोलन के दौरान कमर्चारी-अधिकारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकृष्ट कराएंगे। इसके पश्चात जिला कलेक्टर दुर्ग के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से कमर्चारियों की लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण तथा शासन द्वारा किए गए वादों एवं घोषणाओं को पूरा करने की मांग की जाएगी। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि कमर्चारी एवं अधिकारी शासन की विभिन्न योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद उनकी अनेक जायज मांगें लंबे समय से लंबित हैं। इन्हीं मांगों के निराकरण एवं कमर्चारियों के हितों को लेकर प्रदेश स्तर पर आंदोलन का आह्वान किया गया है।

अवैध रेत एवं खनिज परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कारर्वाई, 3 हाईवा और 5 ट्रैक्टर जब्त

बम्हनीडीह, बिर्रा और शिवरीनारायण क्षेत्र में संयुक्त जांच, 8 प्रकरण दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जांजगीर-चांपा जिले में रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कारर्वाई की जा रही है। इसी क्रम में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने बम्हनीडीह क्षेत्र के पिपरदा, पुछेली, बिर्रा, गतवा तथा शिवरीनारायण क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाकर अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त 3 हाईवा एवं 5 ट्रैक्टर जब्त किए।

खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान ग्राम पिपरदा से 1 हाईवा, बिर्रा क्षेत्र से 2 ट्रैक्टर,

शिवरीनारायण क्षेत्र से 3 ट्रैक्टर तथा केवा-नवापारा क्षेत्र से 2 हाईवा को खनिजों का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया। जब्त वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से संबंधित थाना बिर्रा, थाना शिवरीनारायण एवं कलेक्ट्रेट परिसर में रखा गया है।

जांच के दौरान अवैध परिवहन से संबंधित कुल 8 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें 5 प्रकरण अवैध रेत परिवहन, 1 प्रकरण गिट्टी तथा 2 प्रकरण ईंट के अवैध परिवहन से संबंधित हैं। दर्ज प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम 71 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत अग्रिम वैधानिक कारर्वाई की जाएगी।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अधिकारियों को नियमित रूप से जांच अभियान चलाने और अनियमितता पाए जाने पर सख्त कारर्वाई करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संसाधनों के अवैध दोहन के विरुद्ध कारर्वाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

गंगरेल बांध के 7 गेट खोले गए, पानी छोड़ा जा रहा

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

धमतरी जिले में और कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा तथा जलाशयों में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। 13 सितंबर की सुबह 8 बजे की स्थिति में जिले के प्रमुख जलाशयों में जलभराव का स्तर तेजी से बढ़ा है। वतर्मान में गंगरेल जलाशय में 40,390 क्यूसेक, मुरुमसिल्ली में 1,804 क्यूसेक, दुधावा में 4,009 क्यूसेक तथा सोदुर जलाशय में 118 क्यूसेक पानी की आवक हो रही है।आगामी वर्षा तथा जलाशयों में पानी की बढ़ती आवक को ध्यान में रखते हुए गंगरेल बांध के 7 गेट खोलकर लगभग 42,540 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। रुद्री बैराज के माध्यम से इसमें से लगभग 5,500 क्यूसेक पानी महानदी मुख्य नहर तथा लगभग 37,000 क्यूसेक पानी महानदी में प्रवाहित किया जा रहा है। जलाशय में पानी की आवक और आगामी वर्षा की स्थिति को देखते हुए पानी निकासी की मात्रा को आवश्यकता अनुसार बढ़ाया भी जा सकता है।

पानी की निकासी के कारण महानदी के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए नदी के किनारे बसे गांवों में प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। संबंधित विभागों एवं मैदानी अमले को लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कारर्वाई के निर्देश दिए गए हैं।जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी, नाले, रपट, छोटे पुल-पुलिया एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। अनावश्यक रूप से नदी-नालों को पार न करें। तेज बहाव वाले पानी में वाहन अथवा पैदल जाने का प्रयास न करें। बच्चों को नदी-नालों एवं जलभराव वाले स्थानों से दूर रखें।

यदि किसी क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने अथवा बाढ़ की स्थिति निर्मित होती है, तो नागरिक प्रशासन द्वारा चिन्हांकित सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर जाएं तथा प्रशासन एवं राहत दलों के निर्देशों का पालन करें।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि ह्लजिले में लगातार वर्षा और जलाशयों में पानी की आवक को देखते हुए प्रशासन द्वारा पूरी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गंगरेल बांध के सात गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है, जिसके कारण महानदी के जलस्तर में वृद्धि हो सकती है। नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नदी-नालों और तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें। किसी भी परिस्थिति में अनावश्यक जोखिम न लें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर पहुंचें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने तीन आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

एक वर्ष तक जिला एवं सीमावर्ती जिलों में प्रवेश प्रतिबंधित

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

जिले में वतर्मान कानून व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने पुलिस प्रशासन से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर तीन आदतन अपराधियों को एक वर्ष के लिए जिला बदर के आदेश जारी किया है। आदेश के तहत थाना लवन अंतर्गत वार्ड 8 लवन निवासी देवा उर्फ देवनारायण जायसवाल पिता शिवप्रसाद जायसवाल, देवेंद्र उर्फ.रिंकू वर्मा पिता गंगा प्रसाद वर्मा निवासी थाना भाटापारा अंतर्गत ग्राम देवरी एवं थाना गिधौरी-टुंडरा अंतर्गत ग्राम खपरीडीह निवासी गयाराम पटेल पिता शिवलाल पटेल को जिला बदर किया गया है। उक्त कारर्वाई छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3,5 (ख) के तहत किया गया है जिसमें 1 वर्ष के कालावधि के लिए बलौदाबाजार-भाटापारा जिला एवं उसके सीमावर्ती जिले बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, महासमुंद, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, सक्ति, बेमेतरा एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों की सीमाओं से आदेश पारित होने के 24 घंटे के भीतर हटने एवं बाहर चले जाने के आदेश दिए है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100